दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 58 गुरूवार 17 सितम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

नौकरी का झांसा देकर दो लाख की ठगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर दो लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। कुरहा पट्टी पृथ्वी निवासी सुनीता देवी पत्नी राजवंत कुमार ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने नौकरी लगवाने का भरोसा देकर उससे दो लाख रुपये लिए। इसके बाद नौकरी के नाम पर फर्जी इंटरव्यू कराया और नियुक्ति पत्र भी दे दिया।

नियुक्ति पत्र पर शक होने के बाद सुनीता ने आरोपियों से अपने रुपये वापस मांगे। आरोप है कि रकम लौटाने के बजाय आरोपियों ने गाली–गलौज की और उसे व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की शिकायत पर नगर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुनीता देवी का आरोप है कि खुशहाल, अभिषेक और सुदामा बाला यादव ने उसे नौकरी दिलाने का भरोसा दिया था। इसी बात पर आरोपियों ने उससे दो लाख रुपये लिए। रकम लेने के बाद उसे नौकरी दिलाने की प्रक्रिया का भरोसा दिलाया गया। पीड़िता के मुताबिक, आरोपियों ने नौकरी के नाम पर उसका इंटरव्यू कराया। इसके बाद उसे नियुक्ति पत्र भी सौंप दिया गया। कुछ समय बाद सुनीता को नियुक्ति पत्र के फर्जी होने का शक हुआ। उसने जब इसकी जानकारी आरोपियों से मांगी तो मामला सामने आने लगा।

सुनीता ने आरोपियों से अपने दो लाख रुपये वापस मांगे। आरोप है कि आरोपियों ने रकम लौटाने से साफ इनकार कर दिया। विरोध करने पर उसके साथ गाली–गलौज की गई। इतना ही नहीं, पीड़िता और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई।

पुलिस ने मामले में खुशहाल, अभिषेक निवासी देवारा कारखिया, थाना रौनापार, आजमगढ़ और सुदामा बाला यादव को आरोपी बनाया है। सुदामा बाला यादव का पता अभी सामने नहीं आया है। पुलिस फर्जी नियुक्ति पत्र, दो लाख रुपये के लेनदेन और आरोपियों की भूमिका से जुड़े साक्ष्यों की जांच कर रही है।

नगर पंचायत गायघाट में उप चुनाव 13 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) ने बताया है कि नगर पंचायत गायघाट, वार्ड संख्या–07 बाबा चेतनदास नगर जो महिला के लिए आरक्षित है के रिक्त पद का उप निर्वाचन राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा विर्निदिष्ट समयसारिणी के अनुसार मतदान दिनॉक 13 अक्टूॅबर मंगलवार को प्रातः 07 से सायं 05 बजे तक होगा।

उन्होने बताया कि नाम निर्देशन पत्रों की प्राप्त अवधि दिनॉक 18 से 24 सितम्बर 2026 पूर्वान्ह 11 से 03 बजे तक, नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 25 सितम्बर पूर्वान्ह 11 बजे से कार्य समाप्ति तक, अभ्यर्थन वापसी 28 सितम्बर पूर्वान्ह 11 से 03 बजे तक, प्रतीक आवंटन 29 सितम्बर पूर्वान्ह 11 बजे से कार्य समाप्ति तक, मतगणना का दिनॉक 15 अक्टूॅबर प्रातः 08 बजे से कार्य समाप्ति तक किया जायेंगा।

उन्होने बताया कि उप निर्वाचन में नाम निर्देशन पत्रों की बिक्री तथा नामांकन पत्रों को प्राप्त करने, जॉच तथा नाम वापसी व प्रतीक आवंटन की कार्यवाही संबंधित निर्वाचन अधिकारी/सहायक निर्वाचन अधिकारी द्वारा तहसील बस्ती सदर स्थित न्यायालय नायब तहसीलदार कुदरहां कार्यालय में की जायेंगी और मतदान संबंधी वार्ड के निर्धारित मतदान स्थल पर व मतगणना तहसील मुख्यालय के तहसील बस्ती सदर स्थित न्यायालय नायब तहसीलदार कुदरहां कक्ष में करायी जायेंगी। उप निर्वाचन के दौरान समय सारिणी के मध्य पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में भी संबंधित कार्यालय खुले रहेंगे।

15 अक्टूबर से देना होगा यूपीआई पर चार्जः विपक्ष ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली (आभा)। सरकार की तरफ से ऑनलाइन पेमेंट यूपीआई से 2000 से ज्यादा के व्यापारिक ट्रांजेक्शन पर लगाए गए चार्ज ने विरोध बढ़ा दिया है। कांग्रेस पार्टी समेत विपक्षी नेताओं ने इसे वापस लेने की अपील की है। वहीं, इस मामले पर बुधवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस फैसले को वापस नहीं लिया जाएगा। 15 अक्टूबर से नए नियम लागू होंगे।

बता दें, सरकार की तरफ से सूचना जारी करके बताया गया था कि 15 अक्तूबर से भारत का लोकप्रिय डिजिटल पेमेंट सिस्टम यूपीआई फ्री नहीं रहेगा। हालांकि, पर्सन टू पर्सन

ट्रांजेक्शन पर कोई फीस नहीं ली जाएगी। लेकिन 2000 से अधिक रुपए के मर्चेंट पेमेंट पर 0.40 प्रतिशत का मर्चेंज डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होगा। सरकार के इस फैसले के बाद इसका विरोध शुरू हो गया। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा कि उन्होंने विदेशी दबाव में आकर यह फैसला लिया है। उन्होंने अपील की इस फैसले को वापस ले लिया जाए।

कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा, 'पीएम मोदी न लेफ्ट की तरफ है और न ही राइट की तरफ हैं। वह तो सीधे डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने का फैसला कर चुके हैं।

यूपीआई पर टैक्स लगाकर और अमेरिका को बड़ी रकम देकर उन्होंने हर भारतीय के ऊपर टैक्स का बोझ डाल दिया है। मोदी जी, कृपया अमेरिका के सामने झुकना बंद कीजिए और रीढ़ की हड्डी सीधी रखिए, खड़े हो जाइए और यूपीआई टैक्स को वापस ले लीजिए। राहुल गांधी समेत विपक्ष के तमाम नेताओं की तरफ से विदेशी दबाव में फैसला लेने के आरोपों को सरकार की तरफ से खारिज कर दिया गया है। सरकार की तरफ से कहा गया कि यह फैसला यूपीआई को ध्यान में रखकर ही लिया गया है। 96 फीसदी से ज्यादा ट्रांजेक्शन 2000 रुपए से कम में ही होते हैं। इसके अलावा पर्सन टू पर्सन ट्रांजेक्शन पर भी कोई चार्ज नहीं वसूला जाएगा।

आयुष चिकित्सकों ने किया मानदेय विसंगति दूर करने की मांग, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–21 सितम्बर से आन्दोलन की चेतावनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को आयुष डॉक्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर जिलाध्यक्ष डा. वी. के. वर्मा के नेतृत्व में पदाधिकारियों, चिकित्सकों के प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर समस्याओं के निस्तारण की मांग किया।

मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में प्रदेश में कार्यरत करीब 4 हजार आयुष चिकित्सकों के मानदेय में कथित विसंगति को लेकर आयुष डॉक्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा मानदेय में समानता सुनिश्चित करने के लिए 20 सितंबर 2026 तक सकारात्मक निर्णय लिए जाने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर 21 सितंबर को सुबह 8 बजे से विरोध–प्रदर्शन करने की चेतावनी दी गई है।

ज्ञापन देने के बाद जिलाध्यक्ष डा.वी.के. ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), उत्तर प्रदेश के तहत प्रदेश के विभिन्न जनपदों में लगभग 4,000 आयुष चिकित्सक (मेनस्ट्रीम/आरबीएसके) लंबे समय से सेवाएं दे रहे हैं। वर्ष 2009–10 और 2010–11 में आयुष चिकित्सकों तथा एमबीबीएस चिकित्सकों का मानदेय समान रूप से 24 हजार रुपये प्रतिमाह था। एसोसिएशन का दावा है कि वर्तमान में एमबीबीएस चिकित्सकों का बेसिक मानदेय 1 लाख रुपये प्रतिमाह तक पहुंच गया है, जबकि आयुष चिकित्सकों का बेसिक मानदेय 32 हजार रुपये प्रतिमाह है। उन्होंने प्रदेश के लगभग 4,000 आयुष चिकित्सकों के हित को ध्यान में रखते हुए मानदेय की विसंगति को 20 सितंबर तक दूर करने के लिए आवश्यक सकारात्मक निर्णय लिये जाने का आग्रह किया।

एसोसिएशन ने पत्र में स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय तक समाधान नहीं हुआ तो 21 सितंबर 2026 को सुबह 8 बजे प्रदेश के आयुष चिकित्सक सामूहिक रूप से अपनी न्यायोचित मांग के समर्थन में विरोध–प्रदर्शन करेंगे।

ज्ञापन देने वालों में डा. नफीस खान, डा. सतीश चन्द्र चौधरी, डा. जुनेद खान, डा. दिनेश सिंह कुशवाहा, डा. श्रद्धा सिंह, डा. इन्द्रेश चौधरी, डा. राम प्रकाश, डा. पी.एन. चौधरी, डा. प्रदीप शुक्ल, डा. अनिल मिश्रा, डा. धर्मेन्द्र, डा. सुनील सौरभ, डा. अमिश कुमार आदि शामिल रहे।

शिविर में 15 ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को अभय शक्ति चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा अध्यक्ष अभय कुमार पाण्डेय के संयोजन में बस्ती सदर विकास खण्ड के परसाजाफर गांव में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समाजसेवी कवि चौधरी, वशिष्ठ मुनि दूबे, सुनील कुमार, सतत पटेल, गोलू चौधरी, रमेश शर्मा, विनय चौधरी, सुशील कन्नौजिया, प्रमोद चौधरी मोहन गौतम, युवा कवि अभिषेक श्रीवास्तव सहित कुल 15 लोगों ने रक्तदान किया।

ट्रस्ट अध्यक्ष अभय कुमार पाण्डेय ने कहा कि नियमित रक्तदान से रक्त में आयरन की मात्रा संतुलित रहती है, जिससे दिल का दौरा पड़ने का खतरा कम होता है। रक्तदान से पहले हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर और पल्स की मुफ्त जांच होती है, जिससे कई छिपी बीमारियों का पता चल जाता है। एक बार रक्तदान करने से शरीर की लगभग 650 कैलोरी तक बर्न होती हैं। इसके साथ ही हम दूसरों का जीवन बचाने का माध्यम बनते हैं। बस्ती चेरीटेबल ब्लड बैंक के मुकेश कुमार, दीपेन्द्र कुमार यादव, संदीप, जितेन्द्र आदि ने रक्तदान में सहयोग किया।

लापता आनन्द श्रीवास्तव की बरामदगी न होने से रोषः कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कोषागार कर्मचारी संघ के मंत्री आलोक श्रीवास्तव के भाई आनन्द श्रीवास्तव के 1 सितम्बर से लापता होने के मामले में कोई सफलता न मिलने से कर्मचारियों में रोष है। बुधवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कलेक्ट्रेट परिसर स्थित संघ भवन पर बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कर्मचारी एकत्र हुये और धरना देने के बाद जुलूस के माध्यम से जिलाधिकारी के सम्बोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा। चेतावनी दिया कि यदि 15 दिन के भीतर आनन्द श्रीवास्तव की सकुशल बरामदगी न हुई तो बैठक के बाद बड़े आन्दोलन की घोषणा की जायेगी।

ज्ञापन देने के बाद राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल, जिला मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि कोषागार कर्मचारी संघ के मंत्री आलोक श्रीवास्तव के भाई आनन्द श्रीवास्तव के 1 सितम्बर

–शीघ्र खुलासा न हुआ तो बड़े आन्दोलन की चेतावनी

से लापता होने के मामले और पुलिस कार्रवाई पर पूर्व में ही मांग किया गया था कि उनकी सकुशल बरामदगी हो किन्तु पुलिस के हाथ अभी खाली है। इससे कर्मचारियों में आक्रोश और बढ रहा है।

परिषद अध्यक्ष मस्तराम वर्मा ने कहा कि आनन्द श्रीवास्तव के परिजनों ने 2 सितम्बर को आनन्द श्रीवास्तव के गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना कोतवाली में दर्ज कराया। अभी तक आनन्द श्रीवास्तव के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। इससे अनहोनी की आशंका बढ गयी है।

कोषागार कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अखिलेश पाठक ने कहा कि आनन्द श्रीवास्तव के रहस्यमय ढंग से गुम होने को लेकर लोग परेशान हैं और पुलिस सक्रिय नहीं है। कहा कि पुलिस आनन्द श्रीवास्तव की सकुशल बरामदगी के लिये पहल करे।

धरना देने वालों में मुख्य रूप से कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष अशोक मिश्र, डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ अध्यक्ष इं. अभिषेक सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष चन्द्रिका सिंह, मंत्री बालकृष्ण ओझा, सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष अजय आर्य, आई.टी.आई. कर्मचारी संघ अध्यक्ष हरिशंकर, सिंचाई संघ अध्यक्ष सुभाष मिश्र, व्यापारकर मिनीस्ट्रीयल अध्यक्ष सरोज मिश्र, कृषि मिनीस्ट्रीयल कर्मचारी संघ अध्यक्ष सचिन पाण्डेय, कलेक्ट्रेट मिनीस्ट्रीयल कर्मचारी संघ मंत्री आशीष कुमार, अधीनस्थ कृषि सेवा संघ अध्यक्ष अभिषेक, कुष्ठ कर्मचारी संघ अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव, गन्ना पर्यवेक्षक संघ अध्यक्ष सोम सुन्दरम, ग्राम्य विकास मिनीस्ट्रीयल के मंत्री सुजीत कुमार, विकास भवन कर्मचारी संघ के महामंत्री ओम प्रकाश, पशुधन प्रसार अधिकारी संघ अध्यक्ष विमल आनन्द, शिक्षा मित्र संघ के मण्डल अध्यक्ष प्रवीन श्रीवास्तव, मनीष यादव, सूरज वर्मा, दिलीप कुमार, दीनानाथ सिंह, संजय यादव, राजेश कुमार, संजय श्रीवास्तव, मनोज कुमार, देवेन्द्र सिंह, सन्तोष चौरसिया, उमेश सिंह, गौरीशंकर, विजय वर्मा, राम स्वारथ चौधरी, अशोक सिंह, अनूप वर्मा, संकेत सिंह, हृदयलाल, अमृत लाल, शिवपाल यादव, दिलीप शर्मा, एस.के. श्रीवास्तव, सन्तोष श्रीवास्तव, अविनाश कुमार के साथ ही बड़ी संख्या में कर्मचारी और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अश्लील वीडियो बनाकर धमकाने, पिस्टल दिखाकर खाते से 1 लाख ट्रांसफर कराने के दो आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति का अश्लील वीडियो बनाकर उसे धमकाने और लूटपाट करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि आरोपियों ने पिस्टल दिखाकर पीड़ित के यूपीआई खाते से एक लाख रुपए अपने साथी के खाते में ट्रांसफर कराए। इसके अलावा उसके झोले में रखे 20 हजार रुपए भी छीन लिए। पुलिस ने आरोपियों के पास से पिस्टल, चार कारतूस, 17,140 रुपए नकद, चार मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल स्विफ्ट कार बरामद की है।

अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत के मुताबिक, छावनी क्षेत्र के शंभूपुरा निवासी व्यक्ति ने 15 सितंबर को हर्रैया थाने में शिकायत दी थी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में एक अन्य आरोपी सत्यम तिवारी के भी घटना में शामिल होने की बात सामने आई है। वह अभी फरार है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि सूरज मिश्रा ने उसे फोन करके बड़हर कला स्थित त्यागी पेट्रोल पंप पर बुलाया था। वहां सूरज के साथ श्याम त्रिपाठी उर्फ मनीष और सत्यम तिवारी भी मौजूद थे। तीनों उसे काले रंग की स्विफ्ट कार में बैठाकर हरदिया प्राथमिक स्कूल ले गए।

आरोप है कि स्कूल पहुंचने के बाद आरोपियों ने पीड़ित का आपत्तिजनक वीडियो बनाया। इसके बाद उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पिस्टल दिखाकर पीड़ित को डराया और उसके यूपीआई खाते से एक लाख रुपए अपने एक साथी के खाते में ट्रांसफर करा लिए।

आरोपियों ने पीड़ित के झोले में रखे 20 हजार रुपए भी छीन लिए थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से इनमें से 17,140 रुपए बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बाकी 2,860 रुपए उन्होंने खाने–पीने में खर्च कर दिए थे। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल कार को भी जब्त कर लिया है।

पुलिस ने मामले में सूरज मिश्रा और श्याम त्रिपाठी उर्फ मनीष को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, सत्यम तिवारी भी घटना में शामिल था और अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। आरोपियों के खिलाफ पहले से भी कई मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। मामले में आर्म्स एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं।

यशवंत हत्याकांड में 3 युवतियां गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। यशवंत कुमार हत्याकांड में वाल्टरगंज पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने तीन युवतियों को गिरफ्तार किया है। तीनों को मंगलवार सुबह करीब 9ः58 बजे नगर थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे स्थित लोहरैया मोड़ से पकड़ा गया। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही 12 सितंबर को गिरफ्तार कर चुकी है। इस तरह हत्याकांड में अब तक कुल पांच आरोपी पकड़े जा चुके हैं।

डायट प्राचार्य प्रकरण में अधिकारियों ने दिया जांच का आश्वासन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। डायट प्राचार्य एवं सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक संजय कुमार शुक्ल के कार्य–व्यवहार को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से उठाई गई शिकायत के मामले में बुधवार को संगठन के पदाधिकारियों ने अधिकारियों से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा। जिलाध्यक्ष चन्द्रिका प्रसाद सिंह और जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने मण्डलायुक्त की अनुपस्थिति में अपर आयुक्त बस्ती मण्डल, जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी से मुलाकात की। तीनों अधिकारियों ने प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। साथ ही मुख्यमंत्री, बेसिक शिक्षा मंत्री, महानिदेशक स्कूल शिक्षा और सचिव बेसिक शिक्षा परिषद को रजिस्ट्री पत्र के माध्यम से भी शिकायत पत्र भेजा गया।

शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने अधिकारियों को सोमवार को जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन और उसमें उठाए गए बिंदुओं से अवगत कराया। संगठन ने विशेष रूप से 10 सितंबर को बहादुरपुर विकासखंड के प्रधानाध्यापकों के प्रशिक्षण के दौरान महिला शिक्षकों के साथ कथित अमर्यादित व्यवहार के आरोप को गंभीरता से उठाया। संघ का कहना है कि शौचालय एवं यूरिनल से संबंधित

विषय को लेकर महिला शिक्षकों के साथ कथित रूप से अशोभनीय टिप्पणी की गई, जिससे शिक्षिकाएं आहत हुईं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि संगठन का उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि शिक्षकों और विशेषकर महिला शिक्षकों के लिए सम्मानजनक एवं सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित कराना है।इसके पूर्व भी डायट पर जो भी प्रशिक्षण होते है उसमें प्राचार्य द्वारा शिक्षको को समूह में खड़े होने, बाथरुम जाने , अधिक पानी प्रयोग करने तथा अन्य बिंदुओं को लेकर अपमानित किया जाता है। उनके द्वारा विद्यालय जॉच में भी शिक्षको के प्रति व्यवहार सही नही रहता है। डायट पर शासन द्वारा लाखो रूपये भेजकर प्रशिक्षण हाल, शौचालय, प्रशिक्षण कक्ष आदि बनवाये गए है जिसको प्राचार्य ये कहते है कि उन्होंने अपने से बनवाया है और शिक्षको से जाच के नाम पर डायट पर हो रहे कार्य मे आर्थिक सहयोग की बात कहते है ।

संघ पदाधिकारी ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर तथ्य सामने लाने और दोष पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की। जिला मंत्री ने कहा कि शिक्षक प्रशिक्षण और विभागीय बैठकों के दौरान शिक्षकों के साथ मर्यादित व्यवहार सुनिश्चित होना चाहिए। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है। संगठन ने कहा कि जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया पर वह नजर बनाए रखेगा तथा आवश्यकता पड़ने पर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

विश्व हिन्दू महासंघ ने एएसपी को सौंपा पत्र, मनोज सिंह के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ ने बुधवार को अपर पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर संगठन की छवि धूमिल करने के आरोप में मनोज सिंह के खिलाफ विधिक कार्रवाई की मांग किया है। संघ के नगरपालिका अध्यक्ष बस्ती सदर अभिषेक वर्मा 'आर्या' ने पत्र में पूरे मामले का उल्लेख करते हुये कार्रवाई का आग्रह किया है।

अपर पुलिस अधीक्षक को दिये पत्र में अभिषेक वर्मा ' आर्या' ने स्वयं को विश्व हिंदू महासंघ का अनुशासित कार्यकर्ता बताते हुए कहा है कि संगठन सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों में सक्रिय रहता है तथा गरीब, पीड़ित, शोषित और असहाय लोगों की सहायता करता है। पत्र के अनुसार, हाल ही में जनपद बस्ती सहित पूरे देश में संगठन की ओर से कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के लिए जनजागरण एवं शोभायात्रा निकाली गई थी।

पत्र में एक दलित व्यक्ति के

साथ कथित मारपीट का भी उल्लेख किया गया है। अभिषेक वर्मा का कहना है कि संबंधित व्यक्ति की शिकायत पर सुनवाई नहीं होने की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने पहल कर उसकी एफआईआर दर्ज कराने और न्याय दिलाने में सहयोग किया।

पत्र में आरोप लगाया गया है कि विश्व हिंदू परिषद बस्ती के कथित जिलाध्यक्ष मनोज सिंह ने 15 सितंबर को मीडिया में अभिषेक वर्मा और शिवम मिश्रा के प्रति अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी की। पत्र के मुताबिक, इससे समाज में दोनों की छवि धूमिल हो रही है और उनका घोर अपमान हुआ है। अभिषेक वर्मा ने पत्र में मनोज सिंह की कथित टिप्पणी को अत्यंत घृणित बताते हुए अपर पुलिस अधीक्षक से मामले में विधिक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

पत्र सौंपने के दौरान मुख्य रूप से विश्व हिन्दू महासंघ के वशिष्ठ मणि दूबे, विवेक श्रीवास्तव, अर्पण श्रीवास्तव, सौरभ त्रिपाठी, पंकज त्रिपाठी, राज श्रीवास्तव, फूलदीप मिश्रा, अखिलेश सोनकर, राजन सोनकर, मोहित बाल्मीकि आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 सितम्बर 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

बढती मंहगाई और यूपीआई

जब वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती हैं, तो इसका सबसे ज्यादा असर समाज के उस वर्ग पर पड़ता है, जिसकी आय कम होती है और संसाधनों का दायरा भी सीमित होता है। भोजन, कपड़े, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी आवश्यकताओं पर बढ़ता खर्च इन परिवारों के बजट को बिगाड़ देता है। सरकार की ओर से जारी महंगाई के आंकड़ों से साफ है कि आम लोगों को अब रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं के लिए अपनी जेब और ज्यादा ढीली करनी पड़ रही है। खाद्य, ईंधन एवं विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़ने से अगस्त में थोक महंगाई बढ़कर 9.92 फीसद, जबकि खुदरा महंगाई 4.82 फीसद पर पहुंच गई है। इससे पिछले माह जुलाई में यह क्रमशरू 9.78 फीसद और 4.45 फीसद थी। जनवरी से लागू 2024 आधार वर्ष वाली नई ऋंखला के बाद से अगस्त की खुदरा महंगाई का यह आंकड़ा अब तक का सबसे अधिक है।

यही नहीं, अगले माह से यूपीआइ के जरिए दो हजार रुपए से अधिक के राशि के भुगतान पर भी शुल्क लगेगा। सरकार की ओर से मंगलवार को तय की गईं शुल्क दरों में हालांकि आम लोगों के बीच यूपीआइ से लेन–देन को इससे बाहर रखा गया है, लेकिन अन्य सरकारी एवं निजी सेवाओं के लिए भुगतान पर शुल्क देना होगा। यानी आम आदमी को अब महंगाई की दोहरी मार झेलनी पड़ेगी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए खुदरा महंगाई की दर अगस्त में क्रमशरू 5.23 फीसद और 4.31 फीसद दर्ज की गई। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण क्षेत्रों में वस्तुओं के दाम ज्यादा बढ़े हैं, जहां लोगों की आय सीमित होती है। प्याज की महंगाई दर का जुलाई के 22.54 फीसद की तुलना में अगस्त में उछलकर 48.27 फीसद पर पहुंचना दर्शाता है कि प्याज आम लोगों की रसोई से गायब होने लगा है।

यही हाल लहसुन और अदरक का भी है। ऐसे में निम्न और मध्य वर्गीय परिवारों को अपनी जरूरतों में कटौती करनी पड़ रही है। आय में वृद्धि अगर महंगाई की गति से कम हो, तो घरेलू बजट को संभालना मुश्किल हो जाता है। इसमें दोराय नहीं कि अगले माह की शुरुआत में जब भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होगी, तब नीतिगत ब्याज दरों पर फैसला करने में महंगाई का यह बढ़ा हुआ स्तर एक प्रमुख कारक साबित हो सकता है।

यह भी महत्त्वपूर्ण है कि महंगाई का असर केवल घरेलू बजट तक सीमित नहीं रहता। जब लोगों की क्रय शक्ति घटती है, तो बाजार में मांग भी प्रभावित होती है। यानी इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। ऐसे में सवाल है कि जब सरकार अक्सर यह दावा करती है कि महंगाई पर उसका नियंत्रण है, तो आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार कैसे बढ़ रहे हैं? जाहिर है कि इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार को अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों उपाय करने चाहिए। खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति सुचारु रखने, जमाखोरी और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण करने तथा किसानों को उचित उत्पादन और भंडारण सुविधाएं देने की जरूरत है। साथ ही रोजगार के अवसर बढ़ाना और आम लोगों की आय में स्थिर वृद्धि सुनिश्चित करना भी जरूरी है। मगर इसके बजाय सरकार की ओर से यूपीआइ के जरिए दो हजार रुपए से अधिक के भुगतान पर शुल्क लगाने के फैसले ने पहले से ही महंगाई से जूझ रहे आम लोगों की परेशानी को और बढ़ा दिया है।

सियासत में दागी

देश की राजनीति को आपराधिक छवि के नेताओं से मुक्त कराने के लिए दावे करने में कोई कमी नहीं होती है। राजनीति के अपराधीकरण या संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों के बढ़ते दखल पर चिंता जाहिर करने के मामले में देश की सभी पार्टियां आगे रहती हैं। मगर जब गंभीर अपराधों के आरोप या मुकदमे झेल रहे लोगों को उम्मीदवार न बनाने का सवाल आता है, तब शायद ही किसी पार्टी को इस तकाजे का खयाल रखना जरूरी लगता है। यह बेवजह नहीं है कि पिछले कई दशकों से चुनावी राजनीति में वैसे लोग भी आम होते गए हैं, जिन पर छोटे–बड़े से लेकर जघन्य अपराधों तक में शामिल रहने का आरोप होता है।

हैरानी की बात यह भी है कि जब कोई दागी पृष्ठभूमि का व्यक्ति चुन कर जनप्रतिनिधि बन जाता है, तो उसे टिकट देने वाली पार्टी यह बताना भी जरूरी नहीं समझती कि उसके सामने ऐसी क्या मजबूरी या वजह थी कि जानते–बूझते हुए भी उसने आपराधिक छवि के किसी व्यक्ति को उम्मीदवार बनाने लायक समझा। राजनीतिक दलों के इस रुख पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं।

गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में दागी पृष्ठभूमि के लोगों को उम्मीदवार बनाने के कारणों को सार्वजनिक करने में सभी दल विफल रहे। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने इक्यावन राजनीतिक दलों की ओर से दाखिल किए गए दस्तावेजों के आधार पर तैयार अपनी रिपोर्ट में बताया कि 1,405 उम्मीदवारों में से 191 के बारे में जरूरी जानकारी नहीं दी गई।

जबकि नियमों के मुताबिक मतदाताओं को उम्मीदवारों की आपराधिक पृष्ठभूमि के बारे में बताने के साथ–साथ यह भी बताना जरूरी है कि किसी राजनीतिक दल ने एक दागी को ही उम्मीदवार क्यों चुना और इसके लिए किसी बेदाग छवि वाले व्यक्ति को क्यों नहीं चुना।

जाहिर है, ऐसा करने पर पार्टियों के सामने एक नैतिक बाधा खड़ी हो जाएगी कि उन्हें राजनीति में अपराधीकरण को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। मगर लगभग सभी राजनीतिक दलों का इस तरह का रुख ही क्या इसके लिए जिम्मेदार नहीं है कि आज नागरिकों के सामने ईमानदार और बेदाग जनप्रतिनिधि चुनने के विकल्प सिमटते जा रहे हैं?

लग्जरी जीवन और आत्मसंतुष्टि

–मनोज सिंह–

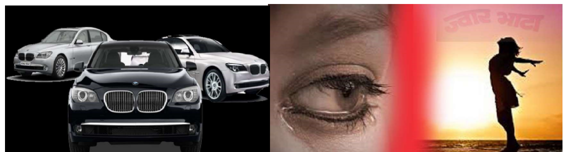

सुखी जीवन का आधार है स्वस्थ शरीर और आत्म संतुष्टि मन, वहीं लग्जरी जीवन की चाहत और सम्पन्नता के झूठे दिखावे में ना तो स्वास्थ्य ही अच्छा रहता है और ना ही इंसान आत्म संतुष्ट हो पाता है क्योंकि लग्जरी जीवन और संपन्नता का प्रदर्शन यह ऐसी आदतें हैं जो इंसान को कभी आत्म संतुष्ट नहीं होने देती क्योंकि भौतिक संपन्नता का कोई पैमाना नहीं होता, और प्रदर्शन की कोई सीमा – रेखा नहीं होती इसकी चाहत रखने वाले लोग अक्सर अंदर से असंतुष्ट नजर रहते हैं वहीं सादगी से जीवन यापन करने वाले लोग सदैव संतुष्ट रहते हैं

लग्जरी वस्तुएं प्रायः आराम देय बहुत होती है किंतु स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम नहीं होती,वही लजीज भोजन (अत्यधिक तेल, मसाले) स्वादिष्ट तो बहुत होते हैं लेकिन स्वास्थ्यवर्धक नहीं होते , चना जैसे स्वास्थ्यवर्धक अनाज को छोड़कर बाजार में जगह–जगह चाऊमीन , और बर्गर ने अपनी पैठ बना लिया है क्योंकि हम चना से अधिक फास्ट फूड नुकसानदेय खाद्य पदार्थों का सेवन करने लगे हैं आज पूरे बाजार में कहीं एक – दो जगह चना और भुजा के दुकान भले मिल जाए लेकिन दो दर्जन फास्ट फूड के स्टाल मिल जायेंगे जबकि बिहार में जगह जगह चना, सत्तू और लिट्टी–चोखा की दुकानें मिल जायेंगे, बिहार आर्थिक रुप से भले ही कमजोर हो लेकिन वहां के अधिकांश लोग शारीरिक रुप में देश में सबसे मजबूत है हमने कई बार बिहार की कैप यात्रा में लोगों के बारे में जाना है

देश के युवा अपने कैरियर को अच्छा बनाने के लिए कठिन परिश्रम करके शिक्षा ग्रहण दिन रात कर रहे हैं लेकिन उन युवाओं को अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा क्योंकि यदि स्वस्थ ठीक नहीं होगा तो सफल और संपन्न जीवन का कोई अर्थ नहीं रहेगा

हर माता–पिता की अभिलाषा होती है कि उनका बेटा , बेटी परिवार स्वास्थ्य रहे, लेकिन लग्जरी सुविधाओं को देने के चलते आज लोगों के परिवारों के बच्चों के स्वास्थ्य पर गलत असर पड़ रहा है ।

शौचालयों में तेजी से बढ़ रहे कमोड सिस्टम के चलते जमीन पर पैर के बल थोड़ी देर बैठने की क्षमता समाप्त होती जा रही है । कमोड शौचालय की जरूरत सत्तर साल से अधिक उम्र या पैर की परेशानी वाले उन लोगों को है जिनको पैर के बल बैठने परेशानी हो लेकिन देश का दुर्भाग्य है कि आज प्रतिदिन युवा उसका प्रयोग करते हैं । पहले तख्ते और चारपाई का अधिक प्रयोग होता था अब डबल बेड और उस पर अत्यधिक मुलायम मोटे गद्दों का चलन बढ़ गया है जो स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है लेकिन सेल कम्पनियां स्वास्थ्य वर्धक बताने के लिए तरह तरह भ्रामक तर्क प्रस्तुत करती है और बच्चे भी सेल कंपनियों के बहकावे में आकर मुलायम गद्दों के खासियत का तर्क देते हैं ।

वर्तमान समय में लग्जरी सुविधाओं से बचा नहीं जा सकता लेकिन उसके प्रयोग को कम करने का उपाय हम सभी लोगों को व्यक्तिगत जीवन में अपनाना पड़ेगा ताकि लंबे समय तक स्वस्थ रह सके ।

नीम के दातुन की जगह टूथपेस्ट ने ले लिया, साइकिल की जगह मोटरसाइकिल ने ले लिया, चकिया का स्थान आटा चक्की ने छीन लिया, मोटे अनाज के स्थान पर महीन अनाज मैदा का प्रयोग होने लगा । लग्जरी वस्तुएं और दिखावा का संबंध बहुत घनिष्ठ होता है क्योंकि लग्जरी वस्तुएं शान और व्यक्ति विशेष का प्रतीक बन गई है जबकि हकीकत में व्यक्ति विशेष समाज में वह लोग हैं जो समाज के प्रति सकारात्मक सोच रखते हैं और समाज हित में निरंतर चिंतन करते हुए अपना दैनिक कार्य करते हैं जबकि इसके विपरीत समाज उन लोगों को व्यक्ति विशेष समझ बैठा है जो ब्लैक मार्केटिंग में लिप्त होकर भ्रष्टाचार की नाव पर बैठकर लंबी–लंबी गाड़ियों से चलते हैं और समाज का शोषण करते से बाज नहीं आते लेकिन समाज के कुछ मूर्ख लोग उन्हें अपना आदर्श मानकर चाय की दुकानों पर परिचर्चा किया करते हैं यह वही लोग हैं जो किराना की दुकानों, सब्जी की दुकानों और पान की दुकानों पर उधार खाकर पैसा नहीं देते, समाज के शरीफ छोटे दुकानदारों के परिश्रम की कमाई में सेंधमारी करते हैं ।

उधार सामान लेना और पैसा देना यह एक सामान्य प्रक्रिया है समाज की, लेकिन उधार लेकर पैसा ना देना या श्रमिकों से काम करा कर उनका उचित श्रमिक मूल्य न देना निहायत घटिया कार्य है ।

लग्जरी का दूसरा रूप दिखावा है जिसने धर्म पर भी अपना कब्जा जमा लिया है हमारे पूर्वज भी धार्मिक अनुष्ठान किया करते थे लेकिन क्या आज की तरह बड़े–बड़े डीजे लगाकर ध्वनि प्रदूषण करते थे यह चिंतन का विषय है, अब नवरात्र और दशहरा आ रहा है गांव में जगह–जगह प्रतिमाएं रखकर पूजन करना अच्छी बात है ,लेकिन बड़े–बड़े डीजे लगाकर देर रात तक डी जे बजाना और आस पास के लोगों को देर रात तक चौन से सोने ना देना , तथा देश के भविष्य बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने में अप्रत्यक्ष रुप से बांधा बनना कहां तक उचित है इस पर विचार करना चाहिए जो लोग ऐसा करते हैं वह धर्म के नाम पर समाज को क्या संदेश देना चाहते हैं ? समाज के लोगों को हर उस कार्य से बचना चाहिए जिससे समाज के अधिकांश लोगों का अहित हो रहा हो ।

जलवायु परिवर्तन और छिपी भूख का संकट

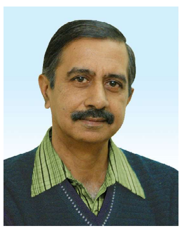

–मुकुल व्यास–

जलवायु परिवर्तन और आधुनिक खेती के कारण हमारी थालियों में पोषण की भारी कमी हो रही है, जिसे 'छिपी हुई भूख' कहा जाता है। इस गंभीर वैश्विक संकट से निपटने के लिए पारंपरिक खेती के साथ–साथ अब जीन–संपादन जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाना समय की बड़ी मांग बन चुका है। भरपेट भोजन के बाद हम तृप्त हो जाते हैं, लेकिन एक बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारी थाली में पौष्टिक तत्व समुचित मात्रा में मौजूद हैं? दुनिया में आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा महत्वपूर्ण विटामिन और खनिज पदार्थों से वंचित है। हैरानी की बात यह है कि यह समस्या उन वजहों से बढ़ रही है जिनका लोगों की खाने–पीने की पसंद से कोई लेना–देना नहीं है। इसका जवाब उन फसलों में छिपा है जिन पर लगातार गर्म माहौल का असर पड़ रहा है। दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी में विटामिन बी2, बी9, सी और ई के साथ–साथ कैल्शियम, आयरन और आयोडीन जैसे खनिजों की कमी पाई गई है। यह कमी सिर्फ गरीब देशों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अमीर देशों में भी देखी जा सकती है। आहार विज्ञानी इसे 'छिपी हुई भूख' कहते हैं और यह कैलोरी की कमी से नहीं, बल्कि विटामिन और खनिजों की कमी से उपजती है।

दुनिया की मुख्य फसलों में पके हुए सफेद चावल से सबसे कम पोषक तत्व मिलते हैं। पौष्टिकता के मामले में यह मक्का और गेहूं दोनों से काफी पीछे है। यह एक गंभीर समस्या है, क्योंकि अरबों लोगों के लिए रोजाना मिलने वाली कैलोरी का सबसे बड़ा स्रोत चावल ही है। एशिया के आवश्यक हिस्सों में चावल की तीन पूरी थालियां खाने वाले व्यक्ति को जरूरी विटामिन और खनिज की सही मात्रा नहीं मिल पाती। चावल पेट तो भर देता है, लेकिन पोषण की ऐसी कमी छोड़ जाता है जिसे सामान्य मात्रा में खाने से पूरा नहीं किया जा सकता। जलवायु परिवर्तन अब इस बुरी स्थिति को और भी बदतर कर रहा है। जैसे–जैसे हवा में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही है, अनाज में जमा होने वाले प्रोटीन, बी ग्रुप के विटामिन और खनिजों की मात्रा कम होती जा रही है।

एक अनुमान है कि चावल की गुणवत्ता में आ रही इस गिरावट के कारण 2050 तक 23.9 करोड़ लोग फोलेट की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे उन 2.5 अरब लोगों में शामिल हो जाएंगे जिन्हें पहले से ही पर्याप्त फोलेट नहीं मिल रहा है। ध्यान रहे कि फोलेट एक ऐसा बी–विटामिन है जिसके बिना शरीर का काम नहीं चल सकता। एक नए अध्ययन में जर्मनी के लीबनज इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट बायोकेमिस्ट्री के शोधकर्ताओं ने पौधों को जीवित रखने वाली चीजों और लोगों को स्वस्थ रखने वाली चीजों के बीच एक हैरान करने वाली समानता पाई है। जिन विटामिनों पर हमारा शरीर निर्भर करता है, वही विटामिन मुश्किल हालात में जीवित रहने के लिए पौधों के भी काम आते हैं।

थायमिन (विटामिन बी1) से उपचारित फसलें उन फसलों के मुकाबले सूखे का बेहतर सामना करती हैं जिनमें यह नहीं होता। फोलिक एसिड और राइबोफ्लेविन पौधों को सूखे और खारी मिट्टी जैसी मुश्किल स्थितियों से निपटने में मदद करते हैं। ज्यादा पोषण वाली फसलें खराब मौसम का भी बेहतर ढंग से सामना कर सकती हैं। जलवायु परिवर्तन खाद्य आपूर्ति पर दोहरी मार करता है। यह उन फसलों से पोषक तत्व छीन लेता है जो खेतों में उगती हैं और ठीक उसी समय उन खेतों पर सूखा, गर्मी और बाढ़ का कहर भी बरपाता है।

पिछली सदी में पौधों के प्रजनकों ने बाकी चीजों के मुकाबले अधिक पैदावार पर ही सबसे ज्यादा ध्यान दिया। 1960 के दशक की हरित क्रांति ने ठीक यही किया, जिससे पूरे एशिया में गेहूं, चावल और मक्के की पैदावार दोगुनी हो गई। पैदावार बढ़ने से एक अरब से ज्यादा लोगों को भुखमरी से बचाने में मदद मिली। फिर भी, मात्रा पर अधिक जोर दिए जाने से किसानों द्वारा उगाई जाने वाली फसलों का पोषण मूल्य कम हो गया। पारंपरिक क्रॉस–ब्रीडिंग से कुछ पोषक तत्वों की मात्रा थोड़ी बढ़ाई जा सकती है, जैसा कि बीन्स और गेहूं की फसलों में आयरन और जिंक के मामले में हुआ है। लेकिन यह ऐसा विटामिन नहीं जोड़ सकती जिसे बनाने की क्षमता पौधे के जीन्स में कभी थी ही नहीं। यह तरीका इतना धीमा है कि निराशा होती है। एक बेहतर किस्म को किसान के खेत तक पहुंचने में 8 से 15 साल तक लग सकते हैं।

आनुवंशिक इंजीनियरिंग के नए टूल एक साथ कई पुरानी बाधाओं को तोड़ते हैं। वे क्रॉस–ब्रीडिंग की तुलना में बहुत तेजी से काम करते हैं और उनमें ऐसी सटीकता होती है जो क्रॉस–ब्रीडिंग में कभी नहीं मिल सकती। आनुवंशिक इंजीनियरिंग का सबसे मशहूर उत्पाद 'गोल्डन राइस' है, जिसके दानों का रंग हल्का सुनहरा होता है क्योंकि उनमें प्रो–विटामिन ए होता है। इस फसल को एशिया के कुछ हिस्सों में विटामिन ए की कमी से बच्चों में होने वाले अंधेपन से लड़ने के लिए विकसित किया गया था। पौधों की पौष्टिकता बढ़ाने में क्रिस्पर जीन संपादन तकनीक उपयोगी हो सकती है। क्रिस्पर आधारित चावल की एक किस्म के दानों में पहले से ही अधिक आयरन और जिंक होता है। इस तरह से बनाई गई नई किस्म सिर्फ 2 से 6 साल में तैयार हो सकती है, जो पुराने तरीकों में लगने वाले समय का बहुत छोटा हिस्सा है।

लंबे समय तक कड़े नियमों ने इन तरीकों पर रोक लगाए रखी। यूरोप में यह रोक सबसे ज्यादा थी। आनुवंशिक रूप से संशोधित पौधे की खेती के लिए मंजूरी मिलने में आसानी से एक दशक से ज्यादा का समय लग सकता है। जून, 2026 में यूरोपीय संसद ने नियमों का एक संशोधित सेट अपनाया, जिसके तहत कई जीन–संपादित फसलों के साथ वैसा ही व्यवहार किया जाता है जैसा पारंपरिक रूप से विकसित फसलों के साथ किया जाता है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि नए टूल जैविक रूप से संवर्धित फसलों के विकास में तेजी लाने और छिपी हुई भूख से प्रभावी ढंग से निपटने का एक शानदार अवसर प्रदान करते हैं। उनका कहना है कि सिर्फ एक तरीका काफी नहीं है। इनमें से कोई भी तरीका अकेले पोषक तत्वों की कमी को खत्म नहीं कर सकता, इसलिए नए अध्ययन में इन सभी तरीकों का इस्तेमाल करने की बात कही गई है। पारंपरिक ब्रीडिंग पर लोगों का भरोसा आज भी बना हुआ है, जबकि जीन एडिटिंग से वह तेजी मिलती है जिसकी धीमी क्रॉस–ब्रीडिंग कभी उम्मीद भी नहीं कर सकती थी। जलवायु परिवर्तन से बदलती दुनिया में प्रजनकों को ऐसी फसलें विकसित करनी होंगी जो ज्यादा पोषक तत्वों से भरपूर हों और बदलते कठोर मौसम में भी मजबूती से टिकी रह सकें।–लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

गणपति की बुद्धि और विश्वकर्मा के कौशल का उल्लास

–विवेक कुमार–

गणेशोत्सव से विश्वकर्मा पूजा तक की यात्रा हमें एक सरल लेकिन गहरा संदेश देती है ज्ञान दिशा देता है, कौशल उसे आकार देता है और श्रम उसे सार्थक बनाता है। हर सुंदर विचार के पीछे बुद्धि होती है और हर सुंदर निर्माण के पीछे किसी के हाथों का हुनर।

सितंबर का उत्सवी माहौल भारतीय संस्कृति के दो सुंदर पक्षों को एक साथ सामने लाता है। एक ओर गलियों में 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारे गूंजते हैं, तो दूसरी ओर कारखानों, कार्यशालाओं और मशीनों के बीच विश्वकर्मा पूजा की तैयारियां होती हैं। कुछ ही दिनों के अंतराल में आने वाले ये दोनों पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं हैं, बल्कि इनके बीच भारतीय जीवन–दर्शन का गहरा सांस्कृतिक संबंध दिखाई देता है। गणपति बुद्धि और विवेक के प्रतीक हैं, तो भगवान विश्वकर्मा कौशल, शिल्प और सृजन के स्वामी माने जाते हैं। दोनों को साथ रखकर देखें तो भारतीय परंपरा का संदेश स्पष्ट होता हैकृपहले सोचो, फिर रचोय बुद्धि से दिशा तय करो और हुनर से दुनिया को आकार दो। यह यात्रा ज्ञान से कर्म और विचार से निर्माण तक की है।

भारतीय संस्कृति में किसी भी शुभ कार्य का आरंभ गणेश वंदना से करने की परंपरा है। परीक्षा हो, नया व्यापार शुरू करना हो, विवाह या कोई अन्य आयोजनकृ सबसे पहले गणपति का स्मरण किया जाता है। इसका कारण केवल उन्हें विघ्नहर्ता मानना नहीं, बल्कि विवेक और बुद्धि का प्रतीक मानना भी है। उनका विशाल मस्तक व्यापक सोच, बड़े कान सुनने की क्षमता और छोटी आंखें एकाग्रता का संदेश देती हैं। उनकी आकृति में जीवन के अनेक सूत्र छिपे हैं। वे हमें सही निर्णय लेने, समस्या को समझने और धैर्य के साथ उसका समाधान खोजने की प्रेरणा देते हैं।

गणेश और कार्तिकेय की संसार की परिक्रमा वाली प्रसिद्ध कथा भी इसी सोच की शक्ति को रेखांकित करती है। चुनौती मिलने पर कार्तिकेय संसार की यात्रा पर निकल पड़ते हैं, जबकि गणेश अपने माता–पिता की परिक्रमा करके कहते हैं कि उनके लिए माता–पिता ही संसार है। कथा का संदेश यही है कि हर समस्या का समाधान केवल तेज गति में नहीं होताय कई बार सही दृष्टि और विवेक सबसे बड़ी जीत दिलाते हैं।

इसके बाद जब हम भगवान विश्वकर्मा की ओर देखते हैं, तो वे विचारों को वास्तविकता में बदलने वाले सृजनशील हाथों के प्रतीक दिखाई देते हैं। भारतीय पौराणिक परंपरा में उन्हें दिव्य शिल्पकार और निर्माता माना गया है। नगरों, भवनों, दिव्य अस्त्रों और अद्भुत निर्माणों से जुड़ी कथाएं उनके तकनीकी कौशल और सृजनशीलता को रेखांकित करती हैं। विश्वकर्मा पूजा इसी परंपरा को आधुनिक कार्यस्थलों तक ले आती है। कारखानों में मशीनों की सफाई होती है, गैराजों में औजारों की पूजा की जाती है और इंजीनियरिंग तथा औद्योगिक संस्थानों में विशेष आयोजन होते हैं। कारीगर अपने उपकरणों को सजाते हैं और उनका सम्मान करते हैं।

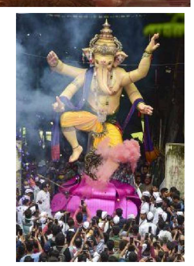

यही इस पर्व की अनोखी विशेषता है कि यहां पूजा केवल देवता की नहीं, बल्कि श्रम और काम के साधनों की भी होती है। हथौड़ा, आरी, छेनी, कंप्यूटर, मशीन, वाहन और औद्योगिक उपकरण सभी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। इसके पीछे गहरी सांस्कृतिक सोच है कि काम केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि सृजन भी है। जिन साधनों के माध्यम से मनुष्य अपने श्रम को परिणाम में बदलता है, उनका सम्मान करना वास्तव में श्रम और श्रमिक दोनों का सम्मान है।

गणेश और विश्वकर्मा का मेल जीवन के दो पहियों जैसा है। एक बुद्धि और विवेक का प्रतिनिधित्व करता है, तो दूसरा कौशल और कर्म का। किसी व्यक्ति के पास अद्भुत विचार हो, लेकिन उसे जमीन पर उतारने का कौशल न हो, तो वह विचार अधूरा रह सकता है। दूसरी ओर, शानदार तकनीकी क्षमता होने पर भी यदि दिशा और विवेक का अभाव हो, तो हुनर भटक सकता है। इसलिए गणेश का संदेश हैकृसोचो, जबकि विश्वकर्मा का संदेश है बनाओ।

आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, डिजाइन और नई तकनीक तेजी से दुनिया बदल रहे हैं। फिर भी इस परंपरा का मूल संदेश पहले जैसा ही है। हर तकनीक के पीछे कोई विचार होता है और हर विचार को वास्तविकता में बदलने के लिए कौशल चाहिए। इंजीनियर पुल बनाता है, वास्तुकार भवन की कल्पना करता है, तकनीशियन मशीन चलाता है, मैकेनिक उसे ठीक करता है, बढ़ई लकड़ी को आकार देता है और कुम्हार मिट्टी में जीवन भर देता है। इनके श्रम में विश्वकर्मा की परंपरा आज भी दिखाई देती है।

इन दोनों पर्वों का सबसे महत्वपूर्ण संदेश श्रम के सम्मान से जुड़ा है। आधुनिक जीवन में हम काम को अक्सर नौकरी, वेतन और पद से जोड़कर देखते हैं, जबकि भारतीय परंपरा श्रम को सृजन से जोड़ती है। एक मूर्तिकार जब मिट्टी से गणपति की प्रतिमा बनाता है, तो वह केवल मूर्ति नहीं गढ़ता, बल्कि अपनी कला, धैर्य और कल्पना को आकार देता है। हमारे श्रद्धा–उत्सवों के पीछे किसी कारीगर का यही हुनर और परिश्रम छिपा होता है।

इसलिए गणेशोत्सव से विश्वकर्मा पूजा तक की यात्रा हमें एक सरल लेकिन गहरा संदेश देती हैकृज्ञान दिशा देता है, कौशल उसे आकार देता है और श्रम उसे सार्थक बनाता है। हर सुंदर विचार के पीछे बुद्धि होती है और हर सुंदर निर्माण के पीछे किसी के हाथों का हुनर।

इ.रि.सं.

गांजा तस्करी के 3 आरोपी गिरफ्तार,10.638 किलो गांजा बरामद

संवाददाता–देवरिया। बरहज पुलिस ने गांजा तस्करी के एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार दोपहर करीब 3 बजे बरहज रेलवे स्टेशन के पीछे मंदिर के पास से तीनों को पकड़ा। तलाशी के दौरान उनके पास से 10.638 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 1.50 लाख रुपए बताई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बलिया के मनियर थाना क्षेत्र के दुर्गीपुर निवासी 26 वर्षीय अजीत गौड़, मदनपुर थाना क्षेत्र के सेड़ुआ पकड़ी बाजार निवासी 45 वर्षीय विनोद पांडेय और बरहज थाना क्षेत्र के बरसात निवासी 40 वर्षीय दिलीप पांडेय के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, दिलीप अपने साथियों के साथ बिहार और दूसरे राज्यों में गांजे की तस्करी करता था। अब पुलिस इनके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने बुधवार दोपहर बरहज रेलवे स्टेशन के पीछे मंदिर

के पास संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर कार्रवाई की। टीम ने मौके से तीन लोगों को पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके पास से 10.638 किलो गांजा बरामद हुआ। इसके बाद तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार पूछताछ में दिलीप पांडेय के गांजा तस्करी से जुड़े होने की जानकारी सामने आई। वह अपने साथियों के साथ बिहार समेत दूसरे राज्यों में गांजा पहुंचाता था। गांजा बरामद होने के बाद बरहज थाने में अजीत गौड़, विनोद पांडेय और दिलीप पांडेय के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8ध्20 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने तीनों से पूछताछ के बाद तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। पुलिस गिरोह के नेटवर्क, गांजे की सप्लाई के स्रोत और इसे दूसरे राज्यों तक पहुंचाने वाले लोगों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस के मुताबिक, तीनों आरोपियों का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड है। अजीत गौड़ के खिलाफ दो, विनोद पांडेय के खिलाफ तीन और दिलीप पांडेय के खिलाफ सात मुकदमे दर्ज हैं। इस तरह तीनों पर कुल 12 मामले दर्ज होने की बात पुलिस ने बताई है। इनमें एनडीपीएस एक्ट के अलावा गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट, चोरी और धोखाधड़ी जैसे मामले शामिल हैं। पुलिस अब पुराने मुकदमों का रिकॉर्ड भी खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में तस्करी के नेटवर्क से जुड़ी अहम जानकारी मिली है। इसी आधार पर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस ने बरामद गांजे को कब्जे में लेकर तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

संवाददाता–गोण्डा। बुधवार शाम करीब 4 बजे भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने चार सूत्रीय मांगों को लेकर विरोधा प्रदर्शन किया। जिला पंचायत सभागार परिसर में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी जुटे। उन्होंने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद शाम 5 बजे प्रशासनिक अधिकारियों को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन का नेतृत्व भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष मोहित भारती ने किया। मोहित भारती ने हाल की घटनाओं पर नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि गोंडा के विनोद साहनी और अयोध्या के रामलगन मौर्य की हत्या के बाद नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद पीड़ित परिवारों से मिलने जा रहे थे।

आरोप है कि 13 सितंबर को बाराबंकी के बुढ़वल में पुलिस ने उनके काफिले को रोक दिया था। इसी दौरान कुछ लोगों ने काफिले पर हमला कर दिया, जिसमें कई कार्यकर्ता घायल हुए और गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा। भीम आर्मी ने राष्ट्रपति से मामले में हस्तक्षेप की मांग की। ज्ञापन में सांसद चंद्रशेखर आजाद के काफिले पर हुए हमले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा घटना के समय मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका की जांच कराने की मांग की गई। संगठन ने लापरवाही करने वालों पर भी कार्रवाई की मांग रखी। इसके अलावा, प्रदेश में धार्मिक स्थलों को अवैध बताकर की जा रही एकतरफा कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने और विनोद साहनी व रामलगन मौर्य के परिवारों को जल्द न्याय, आर्थिक सहायता और सुरक्षा देने की मांग की गई। करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान कलेक्ट्रेट और जिला पंचायत परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल तैनात रहा। शाम 5 बजे शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन सौंपने के बाद सभी कार्यकर्ता वहां से चले गए।

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी मनबढ़ को आजीवन कारावास

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट आनंद प्रकाश तृतीय की अदालत ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास व 1.10 लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। जुर्माने की संपूर्ण धनराशि पीड़िता को प्रतिकर के रूप में दी जाएगी। मामले में केस दर्ज होने के महज 10 महीने के ट्रायल में ही अदालत ने सुनवाई पूरी की है। विशेष शासकीय अधिवक्ता फूलबदन व अजय कुमार गुप्ता ने फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि पीड़िता की मां ने कप्तानगंज थाने में इस आशय का अभियोग पंजीकृत कराया था कि 18 जुलाई, 2025 को जब उनकी 14 साल की बेटी घर पर अकेली थी, तभी बलजीत सिंह पुत्र रामसरन सिंह निवासी बरवा खास घर में घुस गया और किशोरी को धमकाकर दुष्कर्म किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। बेटी बिलकुल डरी–सहमी थी। गुमशुम रहती थी। शक होने पर हम लोगों ने प्रेगनेंसी जांच कराई तो पॉजीटिव आया। उसके बाद रोते हुए किशोरी ने पूरी घटना बताई। इस मामले में कप्तानगंज थाने पर अभियुक्त बलजीत सिंह के खिलाफ दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट व धमकी देने आदि की धाराओं में केस दर्ज हुआ। विवेचक ने जांच पूरी कर साक्ष्यों के साथ अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में कुल 11 गवाह परीक्षित कराए गए। डीएनए परीक्षण में दुष्कर्म साबित हुआ। अदालत ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त बलजीत सिंह पुत्र रामसरन सिंह निवासी बरवा खास को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास व 1.10 लाख रुपये अर्थदंड से दंडित किया। अभियुक्त केस दर्ज होने के बाद से ही जेल में है। जेल से ही वह बुधवार को पेशी पर आया था। सजा सुनाने के बाद उसे फिर जेल भेज दिया गया।

1008 पीठिकाओं पर विराजे इंद्र–इंद्राणी, जिनेंद्र देव की आराधना

दशलक्षण महापर्व के दूसरे दिन दिगंबर जैन मंदिर में हुआ भव्य इंद्रध्वज विधान, चंद्रिका माता जी का मिला आशीर्वचन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रायगंज स्थित दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे दस दिवसीय पर्यूषण दशलक्षण महापर्व के दूसरे दिन बुधवार को जिनालय परिसर में भक्ति और साधना का अद्भुत संगम देखने को मिला। इंद्रध्वज विधान के लिए 1008 पीठिकाएं स्थापित की गईं। इन पीठिकाओं पर 1008 दंपति इंद्र–इंद्राणी के स्वरूप में विराजमान होकर अकृत्रिम देवालयों में विराजमान परम मुक्त जिनेंद्र भगवान के प्रतीकों का विधि–विधानपूर्वक पूजन–अनुष्ठान कर रहे हैं। मंत्रोच्चार, जिनवाणी और धार्मिक अनुष्ठानों से मंदिर परिसर आध्यात्मिक वातावरण में डूबा रहा।इंद्रध्वज विधान के माध्यम से श्रद्धालुओं ने जिनेंद्र देव की आराधना करते हुए आत्मशुद्धि और कर्मनिर्जरा की साधना की। विधान में अकृत्रिम जिनालयों की भावपूर्ण पूजा के साथ जिनेंद्र भगवान के प्रति भक्ति और समर्पण का भाव प्रकट किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु धार्मिक अनुष्ठान में शामिल हुए।

पीठाधीश्वर रविंद्र कीर्ति जी महाराज ने कहा कि दशलक्षण महापर्व आत्मावलोकन और आत्मशुद्धि का पर्व है। इंद्रध्वज विधान जिनेंद्र भगवान की आराधना के साथ साधक को अपने भीतर के विकारों को दूर करने और संयम के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।इस अवसर पर चंद्रिका माता जी का भी श्रद्धालुओं को आशीर्वचन प्राप्त हुआ। उन्होंने धार्म, संयम और स्वाध्याय को आत्मकल्याण का आधार बताते हुए जिनवाणी के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।दशलक्षण महापर्व के दस दिनों में जैन समाज के श्रद्धालु उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य और उत्तम ब्रह्मचर्यकृइन दस धर्मों की आराधना करेंगे। जिनालय में प्रतिदिन पूजन, विधान, स्वाध्याय और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं।

कोल्हुई में खुला नया पुलिस कंट्रोल रूम, 8 थानों व नेपाल सीमा का नेटवर्क होगा सुपरफास्ट

संवाददाता–महराजगंज। भारत–नेपाल सीमा से सटे जिले के उत्तरी इलाके में नेटवर्क की समस्या अब पुलिस की त्वरित कार्रवाई में रोड़ा नहीं बनेगी। एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने संचार व्यवस्था को विकेंद्रीकृत व हाईटेक बनाते हुए बुधवार को कोल्हुई थाना परिसर में बने अतिरिक्त ग्रिड संचार केंद्र का उद्घाटन किया। कंट्रोल रूम में स्थापित उपकरणों के निरीक्षण के साथ इस नए नेटवर्क को क्रियाशील कर दिया गया। इस नए संचार केंद्र के शुरू होने से फरेंदा और नौतनवा सर्किल के थानों, चौकियों और गश्ती गाड़ियों का समन्वय सीधे इस ग्रिड से जुड़ गया है। अब तक पुलिस की हर सूचना के लिए सीधे जिला मुख्यालय स्थित मुख्य रेडियो ग्रिड पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे कई बार नेटवर्क पर लोड बढ़ने से संचार में देरी होती थी। नए ग्रिड के चालू होने से फरेंदा, पुरंदरपुर, बृजमनगंज, कोल्हुई, नौतनवा, सोनौली, परसामलिक, बरगदवा थानों समेत संबंधित चौकियों व फायर स्टेशनों के रेडियो ट्रांसमीटर सेट सीधे इस ग्रिड से जुड़ गए हैं। अब किसी भी वारदात, सड़क हादसे, आगजनी या कानून–व्यवस्था की स्थिति में संबंधित पुलिस टीमों तक सेकेंडों में सूचना प्रसारित की जा सकेगी। नेपाल सीमा से सटे इलाकों की संवेदनशीलता को देखते हुए यह ग्रिड सुरक्षा व्यवस्था में मील का पत्थर साबित होगा। सीमा पर किसी भी तरह की संदिग्धा गतिविधि, तस्करी या अचानक पैदा हुए तनाव की स्थिति में सीमावर्ती थानों के बीच बिना किसी रुकावट के त्वरित संवाद हो सकेगा। इससे जरूरत पड़ने पर मौके पर तुरंत बैकअप फोर्स भेजी जा सकेगी। उद्घाटन के दौरान कंट्रोल रूम का बारीक निरीक्षण कर वहां तैनात कर्मचारियों को 24 घंटे अलर्ट रहने के सख्त निर्देश दिए गए। नए ग्रिड की स्थापना से मुख्य रेडियो ग्रिड से संचार भार काफी कम होगा, जिससे जिले भर के थाना, चौकी, गश्ती वाहनों और फायर ब्रिगेड के बीच आपसी तालमेल और अधिक प्रभावी हो जाएगा। इस अवसर पर एएसपी सिद्धार्थ, सीओ फरेंदा दीपशिखा वर्मा, नवागत एसओ आलोक सिंह निवर्तमान एसओ कुंवर गौरव समेत कई पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

संजय निषाद के दर्द का इलाज होना चाहिए –आशीष पटेल

संवाददाता–गोण्डा। मंत्री आशीष पटेल ने बुधवार को संजय निषाद की नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय से मुलाकात पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने गोंडा में कहा कि अगर किसी को दर्द है तो वो दवा लेने तो जाएगा ही। मेरे पास तो उनके (संजय निषाद) के दर्द की दवा नहीं है। आशीष पटेल ने कहा कि मैं संजय निषाद के दर्द की दवा कहां से ला सकता हूं। उन्होंने यह भी कहा– अगर किसी को दर्द है तो उसका इलाज भी होना चाहिए। इससे पहले कल मंगलवार शाम को आशीष पटेल ने खुद मंत्री संजय निषाद से मुलाकात की थी। मंत्री आशीष पटेल ने सर्किट हाउस में कोर कमेटी की बैठक की। यहां पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

विनोद साहनी हत्याकांड पर आशीष पटेल ने कहा कि किसी भी तरह की हत्या को जस्टिफाई नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहाकि सरकार पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। इस मामले को लेकर मंत्री संजय निषाद ने भी धारना दिया था और कार्रवाई की मांग की थी। संजय निषाद के धरने को लेकर आशीष पटेल ने कहाकि अगर किसी के साथ गलत हो रहा है और कोई उसके विरोध में खड़ा हो रहा है तो इसे गलत नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहाकि विनोद साहनी हत्याकांड मामले में कार्रवाई हुई है। सरकार पीड़ित के साथ है। मजबूत सुरक्षा दी जाएगी।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सीएम योगी का आर्टिफिशियल (एआई) वीडियो दिखाने पर आशीष पटेल ने कहाकि वह इस तरह की राजनीति का समर्थन नहीं करते। चाहे कोई भी पक्ष हो, राजनीति में एक मर्यादा होती है। उसका पालन

किया जाना चाहिए। आशीष पटेल ने गोंडा में अफसरों के साथ बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' की समीक्षा की। उन्हें अभियान से जुड़े कार्यक्रम बेहतर तरीके से आयोजित करने के निर्देश दिए। बुधवार दोपहर 2 बजे से 3 बजे तक सर्किट हाउस में कोर कमेटी की बैठक हुई। इस दौरान मंत्री ने अफसरों से आपसी तालमेल के साथ काम करने को कहा। बैठक में अभियान और जिले से जुड़े अन्य प्रशासनिक विषयों पर चर्चा हुई। यूपी के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने मंगलवार शाम प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल से मुलाकात की। संजय निषाद से मिलने आशीष पटेल खुद उनके सरकारी आवास पर पहुंचे थे हमने तय किया है कि सहयोगी दल यूपी भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े के साथ बैठक करेंगे। छोटे–छोटे मुद्दे सुलझाएंगे। इनमें निषाद आरक्षण, अफसरों द्वारा समय पर बजट खर्च न करना और 69 हजार शिक्षक भर्ती का मुद्दा शामिल है। सीटों को लेकर कोई मसला नहीं है। जितनी सीटें मिली हैं, वहीं सही कर लें। मंत्री निषाद ने कहा था कि जहां हम लड़ेंगे, वहां भाजपा अपने कार्यकर्ताओं से सहयोगी दलों के साथ तालमेल बनाने को कहेंगे। बूथ स्तर पर तालमेल होगा तो पता चलेगा कि हम लोगों में कितना दम है। भाजपा की परंपरा रही है कि उनके प्रदेश प्रभारी सहयोगी दलों के साथ तालमेल करते हैं। जमीनी स्थिति की जानकारी लेते हैं। इसके बाद सीट बंटवारा फाइनल होता है। अगले हफ्ते सहयोगी दलों के साथ बैठक हो सकती है। मंत्री निषाद ने कहा था कि इलाहाबाद में बड़ी रैली करने जा रहे हैं। जगह तय करने के लिए आशीष पटेल से बात की है। वह पहले वहां कार्यक्रम कर चुके हैं, इसलिए उनसे अच्छा ग्राउंड बताने को कहा है। पूरे प्रदेश में 10 बड़ी रैलियां करूंगा। भाजपा के संगठन मंत्री धर्मपाल से भी मेरी बात हुई है।

मैंने उसने निषाद आरक्षण के मुद्दे पर कहाकि आपकी पार्टी ने इसे अपने एजेंडे में रखा था। भाजपा में हम शामिल हुए थे तो समझौते में था कि विचार करके आरक्षण लागू किया जाएगा। सीएम योगी कई बार इस मुद्दे को विधानसभा में उठा चुके हैं। 2024 में भाजपा को यूपी में नुकसान हुआ। ऐसे में इस मुद्दे को हल करना चाहिए। निषाद समाज को फर्जी तरीके से ओबीसी में डाला गया था। हमारा समाज भूमिहीन है, इसलिए लोगों को पट्टा दिया जाना चाहिए। बसपा ने निषादों की रोजी–रोटी छीनी थी।

पकड़ी जंगल के बोकड़ा मंदिर के पास डूबने से मां व दो मासूम बच्चों की मौत

संवाददाता–महराजगंज। सदर कोतवाली क्षेत्र के पकड़ी रेंज के घने जंगल में बुधवार को एक हृदयविदारक हादसा सामने आया। मायके से अपने दोनों मासूम बच्चों के साथ ससुराल लौट रही एक महिला की बोकड़ा माता मंदिर के पास पड़ौवा नाला पार करते समय पानी में डूबने से मौत हो गई। महिला समेत उसके दोनों बच्चों का शव भी बुधवार को नाले से बरामद कर लिया गया है। घटना के बाद से ही मृतका के मायके और ससुराल पक्ष में चीख–पुकार और कोहराम मचा हुआ है। सदर कोतवाली क्षेत्र के वन ग्राम बीट नर्सरी निवासी पूनम का मायका पनियरा क्षेत्र के डिंगुरी गांव में है। वह मंगलवार शाम मायके से 10–15 किलो चावल व अपने दो मासूम बेटे–बेटी को लेकर ससुराल बीट नर्सरी के लिए निकली थी। पकड़ी पहुंचने के बाद वह जंगल के रास्ते से अपने गांव की ओर बढ़ रही थी। रास्ते में बोकड़ा मंदिर से पहले बहने वाला पड़ाव नाला बरसात के कारण उफान पर है। आमतौर पर दिन के समय नाव का संचालन होता है। बताया जा रहा है कि जब पूनम नाला घाट पर पहुंची तो उस समय वहां कोई नाविक मौजूद नहीं था। नाला पार करने की जल्दबाजी में वह बच्चों को लेकर पैदल ही पानी में उतर गई। अंदेशा जताया जा रहा है कि गहरे पानी और तेज बहाव के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया होगा, जिससे तीनों पानी में बह गए और डूबने से उनकी मौत हो गई।

मंगलवार देर रात तक जब पूनम अपने घर नहीं पहुंची, तो ससुराल वालों ने डिंगुरी गांव स्थित उसके मायके में फोन कर पूछताछ की। वहां से परिजनों ने बताया कि वह शाम को ही बच्चों के साथ निकल चुकी है। इसके बाद परिजनों की चिंता बढ़ गई और बुधवार सुबह दोनों पक्षों के लोग रास्ते में उसकी खोजबीन के लिए निकले। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और नाविकों व गोताखोरों की मदद से नाला में सर्च ऑपरेशन शुरू कराया गया। कड़ी मशक्कत के बाद पहले महिला का शव पानी से निकाला गया और कुछ ही दूरी पर दोनों मासूम बच्चों के शव भी बरामद हो गए। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

रामदेव की कंपनी ने बृजभूषण पर किया 50–करोड़ का दावा

संवाददाता–गोण्डा। कैसरगंज से पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर बाबा रामदेव की कंपनी ने 50 करोड़ रुपए का मानहानि का केस दायर किया है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में मंगलवार (15 सितंबर) को इस मामले की सुनवाई हुई। बृजभूषण के वकील ने जवाब देने के लिए कोर्ट से और वक्त मांगा। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 18 सितंबर तय की है। मामला बृजभूषण शरण सिंह के पतंजलि के उत्पादों, खासकर देसी घी को नकली कहे जाने से जुड़ा है। साल– 2022 में भी बृजभूषण ने सार्वजनिक मंच से पतंजलि के घी को 'नकली' बताते हुए लोगों से घर में गाय या भैंस पालने की अपील की थी। उस समय भी उनके बयान को लेकर बाबा रामदेव और बृजभूषण के बीच विवाद सामने आया था। पतंजलि फूड्स की तरफ से अधिवक्ता विक्रम मालवीय कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने कहा कि पूर्व सांसद के बयान से कंपनी की ब्रांड इमेज को नुकसान पहुंचा। यह भी दावा किया कि विवादित बयान के बाद कंपनी के शेयर मूल्य पर असर पड़ा। इससे कंपनी को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। पतंजलि फूड्स का रजिस्टर्ड ऑफिस इंदौर के विजय नगर में है। इसलिए यह दावा सबसे पहले इंदौर जिला कोर्ट में पेश किया गया था। मामले की शुरुआती सुनवाई जिला कोर्ट में हुई। कोर्ट की तरफ से बृजभूषण को नोटिस जारी किए गए थे। बाद में मामला ट्रायल के चरण में पहुंचा। सुनवाई के दौरान इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को लेकर विवाद सामने आया। इन्हीं साक्ष्यों को लेकर मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा। हाईकोर्ट में कंपनी की ओर से इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों से संबंधित डॉक्यूमेंट्स और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेशों का हवाला भी पेश किया गया। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने बृजभूषण से इस मामले में जवाब मांगा था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान पूर्व सांसद की तरफ से वकील कोर्ट में उपस्थित हुए और जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा।

बता दें, साल– 2025 में पिथौरागढ़ में खाद्य सुरक्षा विभाग ने मानकों के अनुसार घी नहीं मिलने पर पतंजलि पर जुर्माना लगाया गया था। पिथौरागढ़ में 2020 में खाद्य सुरक्षा विभाग ने पतंजलि के घी का नमूना जांच के लिए लिया था। पहली जांच में नमूना पास नहीं हुआ था। इसके बाद कंपनी ने नमूना दोबारा जांच के लिए भेजा था। लेकिन, दूसरी जांच में भी घी मानकों के अनुसार नहीं पाया गया। इसके बाद कोर्ट में केस दर्ज किया गया था। इसके बाद कोर्ट ने पतंजलि पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। बाबा रामदेव से बृजभूषण की अदावत काफी पुरानी है। पिछले साल 17 अगस्त को बृजभूषण ने बलरामपुर में कहा था– रामदेव काना, जिसके नाम पर कमा खा रहा, महर्षि पतंजलि का इतिहास भी यहीं गोंडा से है। हालांकि, बाद में इस बयान पर माफी भी मांग ली थी। इसकी सफाई में बृजभूषण ने कहा था– मैंने लोकसभा चुनाव के दौरान एक बयान दिया था। इसके बाद आचार्य बालकृष्ण भट्ट ने मुझे फोन कर मूर्ख कहा था। हमने भी पलटकर जवाब दिया था, तभी से हमारा विवाद शुरू हुआ। बलरामपुर में मैं गोंडा, बलरामपुर और देवीपाटन मंडल का इतिहास बता रहा था। इसी दौरान महर्षि पतंजलि का उल्लेख आया। मुझे याद आया कि जब बाबा रामदेव स्वदेशी यात्रा लेकर निकले थे, तब उन्होंने गोंडा में महर्षि पतंजलि की जन्मस्थली का नाम लिया था और वादा किया था कि वे इसका उद्धार करेंगे। जनता से यह वादा उन्होंने किया था। उसी क्रम में मुझे बाबा रामदेव की याद आ गई। मेरे मुंह से कुछ शब्द निकल गए। बाद में मुझे महसूस हुआ कि ऐसा नहीं कहना चाहिए था। इसके बाद करीब 8 महीने पहले की बात है। बृजभूषण ने एक छात्र के चेहरे पर निकले मुंहासे को देखकर उसका हाथ पकड़कर रोक लिया था। उससे पूछा था कि चेहरे पर इतने मुंहासे क्यों हैं? यह नकली तेल है, जो निकल रहा है, समझे.. श्यह रामदेव वाला घी निकलत हय।श मंच से बृजभूषण का ये बयान सुनते ही लोग हंसने लगे। 24 नवंबर, 2022 को सांसद रहते हुए बाराबंकी में एक कथा पंडाल में बृजभूषण शरण सिंह ने कहा था– शरीर में कोई रोग नहीं है, तो उससे धनी व्यक्ति कोई नहीं है। दुर्बल का बच्चा दुर्बल पैदा होता है। स्वस्थ व्यक्ति का बच्चा स्वस्थ पैदा होता है। स्वस्थ रहने के लिए घर में साफ सफाई और दूध–घी का होना जरूरी है। गांव में आसानी से दूध मिल जाता है। मैं भी भैंस चराने जाता था। भैंस–गाय पालेंगे, तभी शुद्ध दूध और घी मिलेगा। नहीं तो रामदेव का नकली घी खाना पड़ेगा।

भाजपा सरकार में दबाई जा रही है सामाजिक न्याय की आवाज –श्यामलाल

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज नगर के एक होटल में बुधवार को मीडिया से बातचीत में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार में सामाजिक न्याय व लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े सवालों को दबाया जा रहा है। पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक व युवाओं सहित हर वर्ग को उसकी आबादी व भागीदारी के अनुरूप अधिकार मिलना चाहिए। सपा इन सवालों को लेकर जनता के बीच जाएगी।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पीडीए महज चुनावी नारा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय व बराबरी के अधिकार का संकल्प है। इसके जरिए वंचित व पिछड़े वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर पार्टी सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी।

उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों व समान भागीदारी के मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश की जा रही है। सपा कार्यकर्ता गांव–गांव व बूथ स्तर तक पहुंचकर जनता के मुद्दों को उठाएंगे। पार्टी में गुटबाजी के सवाल पर प्रदेश अध्यक्ष ने दो टूक कहा कि सपा में कोई दूसरा गुट नहीं है। समाजवादी एक विचारधारा की पार्टी है और सभी कार्यकर्ता उसी विचारधारा के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जा रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव में सपा प्रदेश की सभी 403 सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि चुनावी तैयारी के साथ पार्टी सामाजिक न्याय व समान भागीदारी के मुद्दे को जनता के बीच लेकर जाएगी। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने भाजपा सरकार पर सामाजिक न्याय व लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े सवालों को दबाने का आरोप लगाया।

बार-काउंसिल के हड़ताल के आदेश का वकीलों ने किया विरोध

संवाददाता–देवरिया। तहसील बार एसोसिएशन के वकीलों ने बुधवार दोपहर करीब 12 बजे बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के हड़ताल संबंधी आदेश का विरोध किया। तहसील बार भवन में बैठक के बाद वकीलों ने प्रदर्शन किया और बार काउंसिल से आदेश वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान वकीलों ने सदर तहसील में 31ध्32 के मामलों से जुड़ी समस्याएं भी उठाईं।

उनका कहना था कि कोर्ट के आदेश के बावजूद संबंधित फाइलें दर्ज नहीं हो पा रही हैं। इससे वकीलों और मुवक्किलों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने तहसील की अन्य समस्याओं के समाधान की भी मांग की। वकीलों ने कहा कि इन समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को जरूरी कदम उठाने चाहिए। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने वकीलों के हितों से जुड़े मुद्दों पर संगठन की ओर से आगे भी आवाज उठाने की बात कही। एसोसिएशन के मुताबिक, 10 और 11 सितंबर को कानपुर बार एसोसिएशन और दि लायर्स बार एसोसिएशन के नेतृत्व में महासम्मेलन हुआ था। इसमें 55 जिलों के वकील संगठनों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। महासम्मेलन में वकीलों के मौलिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई थी। एसोसिएशन के अनुसार, इसके बाद ही बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के हड़ताल संबंधी आदेश का विरोध करने का फैसला लिया गया।

संत ज्योतिषी रामशरणाचार्य जी महाराज को संतों ने दी भावांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मां सरयू के पावन तट पर स्थित श्री संत गोपाल मंडपम में बुधवार को संत ज्योतिषी रामशरणाचार्य जी महाराज की श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी कुरेशाचार्य जी महाराज की अध्यक्षता में हुई सभा में अयोध्या के संत–महंतों, महाराज जी के शिष्यों और श्रद्धालुओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावांजलि दी। देशभर में फैले उनके शिष्यों ने उनकी साधना, तप और आध्यात्मिक जीवन को स्मरण किया।लगभग आधी शताब्दी से अयोध्या में साधनारत संत ज्योतिषी रामशरणाचार्य जी महाराज ज्योतिष एवं तंत्र विद्या के सिद्ध साधक के रूप में विख्यात रहे। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में जन्मे महाराज जी ने हरिद्वार के भूमा निकेतन के तत्कालीन स्वामी जी के साथ बदरी क्षेत्र में तप किया। सत्तर के दशक में अयोध्या आगमन के बाद अशर्फी भवन में प्रवास किया। विगत तीन वर्षों से वह श्री संत गोपाल मंडपम में जगद्गुरु स्वामी कुरेशाचार्य जी महाराज के सानिध्य में रह रहे थे।महाराज जी की दिनचर्या में नित्य सरयू स्नान का विशेष स्थान था। चिकित्सा के लिए अयोध्या से बाहर जाना पड़ा, लेकिन देहत्याग से पूर्व वह अयोध्या धाम लौट आए और यहीं अंतिम सांस ली। संतों ने कहा कि आचार–निष्ठ तपस्वी का अयोध्या धाम में परमपद प्राप्त करना उनकी साधनामयी जीवनयात्रा का भावपूर्ण पूर्णत्व है।महाराज जी के प्रमुख शिष्य एवं प्रतिष्ठित व्यवसायी अयोध्यावासी आइपी सिंह ने कहा कि "महाराज जी का आशीर्वाद सदैव हमारे ऊपर बना रहा। एक बार उन्होंने दिल्ली से फोन कर मुझे अयोध्या न आने को कहा। मैं उस दिन नहीं आया और उसी समय एक घटना घट गई। ऐसे अनेक संस्मरण आज भी स्मृति में हैं। महाराज जी हमारे लिए भगवान स्वरूप थे।"श्रद्धांजलि सभा में अयोध्या के संत–महंतों के साथ राजनेताओं और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने भी पहुंचकर संत ज्योतिषी रामशरणाचार्य जी महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

माफिया और मच्छर की तरह खत्म हुआ इंसेफेलाइटिस सीएम योगी बोले – अब हर जिले में डायलिसिस यूनिट

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि साढ़े नौ वर्ष पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस से तड़पते बच्चों और दम तोड़ते बचपन को देखकर हर जागरूक माता–पिता चिंतित रहता था। पर, अब यह चिंता खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि माफिया और मच्छर की तरह इंसेफेलाइटिस भी समाप्त हो गया है। अब हम नए युग में नए गोरखपुर और नए उत्तर प्रदेश का दर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में दस–दस बेड की डायलिसिस यूनिट की सुविधा शुरू कर रही है। सीएम योगी बुधवार पूर्वाह्न इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) गोरखपुर की तरफ से संचालित चैरिटेबल ब्लड बैंक के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने फीता काटकर चौरिटेबल ब्लड सेंटर का उद्घाटन किया और सेंटर का भ्रमण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं, उपकरणों और व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

उद्घाटन समारोह के मंच से पूर्वी उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में आए सकारात्मक परिवर्तन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि साढ़े नौ वर्ष पहले गोरखपुर का बीआरडी मेडिकल कॉलेज ही इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रमुख केंद्र था। स्थिति यह थी कि एक ही बेड पर चार–चार मरीज तक भर्ती रहते थे। तीसरी मंजिल पर इंसेफेलाइटिस वार्ड था और वहां पंखे, शौचालय एवं अन्य जरूरी सुविधाओं का अभाव था। उन्होंने कहा कि पहले जो बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्वयं अस्वस्थ था, आज वही सुपर स्पेशियलिटी सेंटर और इंसेफेलाइटिस समेत विभिन्न बीमारियों के उपचार का प्रमुख केंद्र बन गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में एम्स भी स्थापित हो चुका है। महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, सिद्धार्थनगर, बस्ती, बलरामपुर, बहराइच, गोंडा, अयोध्या और अंबेडकरनगर समेत विभिन्न जिलों में मेडिकल कॉलेज शुरू हो चुके हैं। प्रदेश में 75 जिले हैं, जबकि मेडिकल कॉलेजों की संख्या 85 हो गई है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि एक समय प्रदेश के प्रत्येक जिले की पहचान किसी न किसी दुर्दांत माफिया से जुड़ गई थी। डॉक्टर उनके शिकार बनते थे। गोरखपुर में डॉक्टरों का अपहरण होता था, उनसे रंगदारी मांगी जाती थी, धमकी भरे फोन आते थे और उनके चेंबर में घुसकर मारपीट की जाती थी।

इन घटनाओं के खिलाफ उन्हें चिकित्सकों के साथ सड़कों पर आंदोलन करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि आज गोरखपुर के साथ पूरे प्रदेश में चिकित्सक, व्यापारी और नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। अब प्रदेश की पहचान माफिया से नहीं बल्कि 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज' के लक्ष्य से बन रही है। रक्तदान के महत्व को समझाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीक, दवाएं और संसाधन तो उपलब्ध कराए जा सकते हैं लेकिन खून बनाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि रक्तदान उस संवेदना का प्रतीक है, जिसके माध्यम से एक व्यक्ति किसी जरूरतमंद को नया जीवन देता है। उन्होंने इस बात पर चिंता भी जाहिर की कि रक्त की मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पाती है। सीएम ने कहा कि इसके लिए चिकित्सकों को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति लोगों को प्रेरित करना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर समय–समय पर रक्तदान की अपील और जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए।

सीएम योगी ने पेशेवर रक्तदाताओं को लेकर भी आगाह किया। कहा कि विभिन्न बीमारियों से ग्रसित पेशेवर रक्तदाताओं पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया गया तो संक्रमण का गंभीर संकट पैदा हो सकता है। ऐसी गतिविधियों को शासन–प्रशासन के संज्ञान में लाने के साथ चिकित्सकों को जागरूकता कार्यक्रमों से भी जुड़ना चाहिए। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने आईएमए के सामाजिक सरोकारों की मुक्तकंठ से सराहना की। कहा कि आईएमए केवल प्रैक्टिस करने वाले चिकित्सकों की संस्था मात्र ही नहीं है। इसने गोरखपुर में निशुल्क ओपीडी के बाद चैरिटेबल ब्लड सेंटर शुरू करके उसने सामाजिक उत्तरदायित्व का उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी संस्था की वास्तविक पहचान इससे होती है कि वह अपनी विशेषज्ञता का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने में कितना योगदान देती है। उन्होंने कहा कि 2017–18 में गोरखपुर के सीतापुर आई हॉस्पिटल में आईएमए ने निशुल्क ओपीडी शुरू की थी।

इसके बाद आईएमए ने अपने कार्यालय के लिए भूमि मांगी तो गोरखपुर विकास प्राधिकरण के माध्यम से भूखंड उपलब्ध कराने में मदद की गई। आईएमए ने इस भूखंड का बेहतर उपयोग करते हुए चैरिटेबल ब्लड सेंटर स्थापित किया है, जो पूर्वी उत्तर प्रदेश के जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने में योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के सानिध्य में गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय की शुरुआत का जिक्र करते हुए कहा कि पहले 10 बेड से अस्पताल शुरू करने की चर्चा हुई थी, लेकिन गोरखपुर के चिकित्सकों के सहयोग से शुरुआत में ही इसे 100 बेड का अस्पताल बनाया गया। इस चिकित्सालय ने दिखाया कि चौरिटी में भी अस्पताल, ब्लड बैंक और आईसीयू सफलतापूर्वक संचालित हो सकते हैं।

यहां ब्लड सेपरेटर, एफेरेसिस और डायलिसिस जैसी सुविधाएं विकसित हुईं। उन्होंने कहा कि जिस डायलिसिस के लिए कभी लोगों को लखनऊ या बीएचयू जाना पड़ता था, आज गोरखपुर में गुणवत्तापूर्ण सुविधा उपलब्ध है। सीएम ने बताया कि सरकार ने प्रदेश के जिला अस्पतालों में भी निशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था करने का कार्य प्रारंभ कर दिया है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। बताया कि आईआईटी कानपुर के सहयोग से मेडटेक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा एसजीपीजीआई लखनऊ में भी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पर काम हो रहा है।

थांगता मार्शल आर्ट, ताइक्वांडो में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

–मंडल व जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं में विजेता खिलाड़ी सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। चौधरी त्रिवेणी राम बालिका इंटर कॉलेज कलवारी में थांगता मार्शल आर्ट और राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेइली में ताइक्वांडो का आयोजन बुधवार को किया गया। प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु एवं भार वर्गों में शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के समापन पर विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। चौधरी त्रिवेणी राम बालिका इंटर कॉलेज कलवारी में आयोजित मंडल स्तरीय थांगता मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रधानाचार्य प्रतिमा चौधरी एवं शारीरिक शिक्षा शिक्षक प्रभाकर रंजन ओझा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। जनपद सिद्धार्थनगर एवं संतकबीरनगर की टीमों के प्रतिभाग न करने के कारण बस्ती के प्रतिभागी खिलाड़ियों को विजयी घोषित किया गया। चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मंडल का प्रतिनिधित्व करेंगे। बालिका वर्ग में आराध्या, सारा फातिमा और सोनी तथा बालक वर्ग में रोहित, वेद प्रकाश और अमित यादव का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ। निर्णायक की भूमिका माता प्रसाद त्रिपाठी ने निभाई, जबकि संचालन अजय कुमार वर्मा ने किया। समापन पर प्रधानाचार्य प्रतिमा चौधरी ने खिलाड़ियों को मेडल एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

वहीं राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेइली में आयोजित जनपद स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के करीब 40 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। अंडर–19 बालक वर्ग में अमित प्रथम और रोहित द्वितीय रहे। अंडर–17 बालक वर्ग में चंद्रदीप, तौसीफ ने अपने–अपने भार वर्ग में प्रथम स्थान हासिल किया। बालिका वर्ग में आराध्या, मंदाकिनी, गुलफ्सा तथा अंडर–19 में खुशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रधानाचार्य राजेश सिंह एवं रामचन्द्र यादव ने किया। प्रतियोगिता प्रभाकर ओझा एवं माता प्रसाद त्रिपाठी की देखरेख में संपन्न हुई। निर्णायक की भूमिका सुभाष यादव एवं विनीत गुप्ता ने निभाई तथा संचालन शारीरिक शिक्षा शिक्षक अरुण कुमार ने किया।

इस अवसर पर दोनों विद्यालयों के शिक्षक, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अयोध्या में 675 अभ्यर्थियों ने लगाई दौड़, तीन गश खाकर गिरे

संवाददाता–अयोध्या। डाभासेमर स्टेडियम में चल रही होमगार्ड भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा के दूसरे दिन बुधवार को 675 अभ्यर्थियों ने दौड़ लगाई। तेज धूप और कड़ी शारीरिक परीक्षा के चलते दौड़ के दौरान तीन अभ्यर्थी गश खाकर गिर पड़े। तीनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुरुष अभ्यर्थियों के लिए 400 मीटर के ट्रैक पर 4.8 किलोमीटर की दौड़ 28 मिनट में पूरी करना अनिवार्य था। निर्धारित दूरी पूरी करने के लिए एक अभ्यर्थी को मैदान के करीब 12 चक्कर लगाने पड़े। परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी सुबह चार बजे से ही स्टेडियम पहुंचने लगे थे। सुबह छह बजे से दौड़ शुरू कराई गई और अभ्यर्थियों को चार स्लॉट में दौड़ाया गया। पहले स्लॉट में 160 अभ्यर्थियों ने दौड़ लगाई। दौड़ की प्रक्रिया करीब 11 बजे तक चली।

दौड़ से पहले अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। इसके बाद उनके पैर में चिप लगाई गई और कैमरे के सामने चेस्ट नंबर समेत आवश्यक जानकारी दर्ज की गई। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही अभ्यर्थियों को ट्रैक पर भेजा गया।

पूरी दौड़ कैमरों की निगरानी में कराई गई। दौड़ में करीब 460 अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफल रहे। तेज धूप को देखते हुए 675 अभ्यर्थियों की दौड़ के बाद शेष अभ्यर्थियों की दौड़ स्थगित कर दी गई। अब उन्हें 22 सितंबर को को अवसर दिया जाएगा। प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एक संस्था की ओर से पूरी परीक्षा की वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई जा रही है।

हत्या के प्रयास के आरोपी को सात साल की सजा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पुलिस को अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान में एक और सफलता मिली है। पुलिस की मजबूत पैरवी से अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने हत्या के प्रयास के एक मामले में आरोपी को सात साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आरोपी पर 14 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह मामला इटवा थाना क्षेत्र के बयारी गांव का है। साल 2007 में बयारी निवासी राजन पुत्र दिग्पाल के खिलाफ मुकदमा नंबर 309/2007 दर्ज किया गया था। उस पर भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 149, 307, 504 और 506 के तहत कार्रवाई हुई थी। पुलिस ने इस मामले में सबूतों को कोर्ट में मजबूती से पेश किया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहम्मद रफी (कक्ष संख्या–01) की अदालत ने केस नंबर 153/2024 की सुनवाई की। इसके बाद आरोपी राजन को भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के तहत सात साल के कठोर कारावास और 14 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

बाइक खड़ी करने को लेकर युवक की ब्लेड से गला रेतने की कोशिश, 3 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। बाइक खड़ा करने को लेकर हुए विवाद में तीन युवकों ने एक युवक को घेर लिया। मारपीट करने के बाद ब्लेड से गला काटने का प्रयास किया गया। शोर सुनकर राहगीरों के पहुंचने पर आरोपित मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल युवक को का उपचार बीआरडी मेडिकल कालेज के नेहरू अस्पताल चल रहा है। इधर, पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करते हुए बुधवार को खजनी थाना पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों की पहचान खुटभार निवासी विपिन कुमार, अमित कुमार, रमाशंकर के रूप में हुई है। घटना सोमवार की रात में हुई थी। खुटभार निवासी रोहित प्रसाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह रात आठ बजे खजनी बाजार जा रहे थे। गांव में श्याम हास्पिटल से आगे महुआ के पेड़ के पास चार युवकों ने उन्हें पकड़ लिया। आरोपितों ने पहले गाली–गलौज करते हुए मारपीट की और इसके बाद ब्लेड से हमला कर गले की नस काटने का प्रयास किया। शोर मचाने पर आसपास के राहगीर मौके पर पहुंच गए। लोगों को आता देख आरोपित भाग निकले। घटना की जानकारी होने पर रोहित के पिता मौके पर पहुंचे और उसे उपचार के लिए गोरखपुर जिला अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे बीआरडी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया।

प्रभारी निरीक्षक जयंत कुमार सिंह ने बताया कि बाइक हटाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। इसी दौरान एक पक्ष की ओर से धारदार ब्लेड से हमला किया गया। मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की विधिक कार्रवाई चल रही है।

चंद्रशेखर पर हुए हमले की हो उच्चस्तरीय जांच, कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–अंबेडकरनगर। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिलाध्यक्ष जय सिंह राणा के नेतृत्व में बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित डॉ. आंबेडकर प्रतिमा स्थल पर प्रदर्शन किया। इस बाराबंकी में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद पर हुए हमले की उच्चस्तरीय जांच समेत विभिन्न मांग उठाई। ज्ञापन में कहा गया है कि 13 सितंबर को बाराबंकी के रामनगर क्षेत्र के बुढ़वल में काफिला रोके जाने के बाद पथराव और हिंसक हमले की घटना हुई, जिसमें कार्यकर्ताओं को चोटें आईं और वाहनों को नुकसान पहुंचा। पार्टी ने घटना की निष्पक्ष जांच, सीसीटीवी व इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य सुरक्षित रखने तथा पुलिस अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की। साथ ही चंद्रशेखर आजाद का सुरक्षा आकलन कर आवश्यकता के अनुसार सुरक्षा बढ़ाने की मांग की गई। पार्टी ने लखनऊ के ईको गार्डन में धरना दे रहे पंचायत सहायकों की मांगों के शीघ्र समाधान और 68500 शिक्षक भर्ती में आरक्षण संबंधी प्रकरण में पिछड़ा वर्ग आयोग के आदेश का अनुपालन कराने की मांग भी की। इसके अलावा सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद और मुरादाबाद की मुस्तफा मस्जिद समेत अन्य धार्मिक स्थलों के संबंध में की जा रही कार्रवाई की निष्पक्ष समीक्षा कर कानूनी प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई। इस संबंध में एक ज्ञापन एसडीएम अकबरपुर प्रतीक्षा सिंह को सौंपा गया।

महिला के मर्डर में आरोपी जेल चला गया, लेकिन पुलिस को पता नहीं कि हत्या किसकी हुई

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा इलाके में कुछ समय पहले मिली महिला की नग्न लाश के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या के आरोप में जेल भेज दिया, लेकिन अब भी यह सवाल नहीं सुलझा है कि जिस महिला की हत्या हुई, आखिर वह कौन थी? तमाम कोशिशों के बावजूद पुलिस अब तक मृतका की पहचान नहीं कर सकी है। यही वजह है कि खुलासा होने के बाद भी इस केस की कहानी अधूरी है।

झंगहा इलाके में महिला की लाश मिलने के बाद पुलिस ने पहले उसकी पहचान कराने की कोशिश की। आसपास के थानों के अलावा दूसरे जिलों की पुलिस से भी संपर्क किया गया। महिला के हुलिये और उससे जुड़ी जानकारी को साझा कर पहचान का प्रयास हुआ, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। जांच के दौरान पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में महिला के साथ एक व्यक्ति की गतिविधियां सामने आईं। इसके आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई तो एक रेलकर्मी तक पहुंची। पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने रेलकर्मी को आरोपी बनाया। बाद में उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

जांच में यह भी सामने आया कि मृतका एक जगह पर लंबे समय तक रहने वाली महिला नहीं थी। वह अलग–अलग स्थानों पर घूमती रहती थी। पुलिस जांच में लखनऊ और गोंडा में भी उसके देखे जाने की जानकारी मिली। इसके बाद वह गोरखपुर पहुंची थी। यहां भी कुछ लोगों के साथ शराब पीते उसे देखा गया था। महिला के बारे में जानकारी जुटाने के लिए पुलिस ने कई लोगों से पूछताछ की, जिनके संपर्क में वह अलग–अलग समय पर आई थी।

पुलिस ने मामले की जांच के दौरान कुल 13 लोगों के बयान दर्ज किए। बयानों से यह पुष्टि हुई कि महिला घुमक्कड़ प्रवृत्ति की थी और अलग–अलग स्थानों पर आती–जाती रहती थी। इसी वजह से उसकी पहचान और उसके परिजनों तक पहुंचना पुलिस के लिए मुश्किल बना हुआ है। हत्यारोपी के जेल जाने के बावजूद मृतका की पहचान नहीं हो पाना इस मामले को हत्या के सामान्य मामलों से अलग बनाता है। पुलिस के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर आरोपी के खिलाफ उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे की कार्रवाई आगे बढ़ानी है, वहीं दूसरी ओर मृतका के परिवार और उसकी वास्तविक पहचान तक पहुंचना भी जरूरी है। पुलिस को उम्मीद है कि दूसरे जिलों से मिलने वाली कोई नई जानकारी या किसी व्यक्ति की सूचना से मृतका की पहचान हो सकेगी।

रोडवेज बस की ठोकर से नौवीं का छात्र घायल

संवाददाता–गोरखपुर। पिपराइच थाना क्षेत्र के अतरौलिया गांव के सामने रोडवेज बस की चपेट में आने से नौवीं का छात्र घायल हो गया। जंगल डुमरी नंबर दो के मंदिर बाजार निवासी आदित्य अतरौलिया स्थित निजी इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ता है। छुट्टी के बाद घर जाते समय गोरखपुर–महराजगंज फोरलेन पर महराजगंज डिपो की बस की चपेट में आ गया। उसके पैर में चोट आई। अन्य छात्रों और शिक्षकों ने उसे निजी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हड्डी रोग विशेषज्ञ से सलाह लेने को कहा गया। स्थानीय लोगों के अनुसार हादसे के बाद चालक बस छोड़कर फरार हो गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद पर हमले की जांच की मांग

संवाददाता–संतकबीरनगर। बुधवार को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष रामअनुज फौजी के नेतृत्व में यह ज्ञापन जनहित, सामाजिक न्याय और कानून–व्यवस्था से जुड़ी चार सूत्रीय मांगों को लेकर दिया गया। पार्टी ने इन मांगों पर जल्द कार्रवाई की अपील की है।

ज्ञापन में गोंडा और बाराबंकी की घटनाओं का जिक्र किया गया है। इसके अलावा पंचायत सहायकों की समस्याओं, 68,500 शिक्षक भर्ती में आरक्षण से जुड़े मामले और इस्लामिक धर्मस्थलों से संबंधित मुद्दों का भी उल्लेख किया गया।

पार्टी ने गोंडा में विनोद साहनी और रमेश कोरी की हत्या के मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग की। अयोध्या में राम लगन मौर्य की हत्या के मामले में भी ऐसी ही जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। बाराबंकी में आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद के काफिले पर कथित पथराव हुआ था। पार्टी ने इस मामले की जांच, सीसीटीवी फुटेज और इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को सुरक्षित रखने की मांग की है। साथ ही चंद्रशेखर आजाद की सुरक्षा बढ़ाने की भी अपील की गई।

जिलाध्यक्ष रामअनुज फौजी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दलित समाज पर कथित अत्याचार हो रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इन पर रोक नहीं लगी तो पार्टी एक बड़ा आंदोलन करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद पर लगातार हमले हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन इस पर कोई कदम नहीं उठा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर दोबारा हमला हुआ तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को काला झंडा दिखाया जाएगा।

ज्ञापन में लखनऊ के ईको गार्डन में धरना दे रहे पंचायत सहायकों की समस्याओं को हल करने की मांग भी शामिल है। इसके अलावा, 68,500 शिक्षक भर्ती में पिछड़ा वर्ग आयोग के आदेश का पालन करने और प्रभावित उम्मीदवारों को न्याय दिलाने की अपील की गई। सहारनपुर और अन्य जगहों पर इस्लामिक धर्मस्थलों के खिलाफ हो रही कार्रवाई की निष्पक्ष समीक्षा की मांग भी की गई। पार्टी ने कहा कि ऐसी कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया के तहत ही होनी चाहिए।

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं चन्द्रिका प्रसाद मिश्र, पुत्र स्व० कल्लू मिश्र, निवासी ग्राम गोबरहिया, थाना दुबौलिया, जनपद बस्ती (उ०प्र०) का निवासी हूं। मेरा नाती अभिषेक मिश्र, पुत्र राकेश मिश्र का चाल–चलन एवं आचरण ठीक नहीं है तथा उसके द्वारा आए दिन झगड़ा एवं बवाल किए जाने के कारण मुझे एवं मेरे परिवार को अत्यधिक मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे दु:खी होकर मैं अपने नाती अभिषेक मिश्र को अपने समस्त चल–अचल संपत्ति एवं पारिवारिक अधिकारों से बेदखल करता हूँ। दिनांक 15–09–2026 से उसका मेरी किसी भी चल–अचल संपत्ति में कोई अधिकार, हित अथवा दावा नहीं रहेगा। मेरे द्वारा अथवा मेरे परिवार द्वारा उसके साथ किसी प्रकार का लेन–देन नहीं किया जाएगा तथा भविष्य में उसके किसी भी कृत्य अथवा लेन–देन के लिए मैं या मेरा परिवार किसी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगा। अपने किसी भी कृत्य के लिये वह स्वंय जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 24 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय भानपुर जिला बस्ती
निसार अहमद आदि
बनाम
व्रहमा सिंह आदि

1. निसार अहम 2. अब्दुल करीम 3. अब्दुल रहीम 4. अरशद हुसैन पुत्रगण मोहम्मद नजीर साकिनान मौजा पचलौरिया तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 29–09–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 29 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद सं0 49/2026
वेद प्रकाश पाण्डेय–सायलान
1. वेद प्रकाश पाण्डेय 2. रवि प्रकाश पाण्डेय 3. अमर प्रकाश पाण्डेय 4. मयंक प्रकाश पाण्डेय पुत्रगण धर्मदेव पाण्डेय निवासीगण ग्राम मदरना तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 21–10–2026

दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती बतारीख पेशी **21–10–2026** मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा। अलमरकूम 16 माह 09 सन 2026 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
अदालत– श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–88/1992
रामफेर आदि
बनाम
जगदम्बा आदि

3/1–राजू उम्र लगभग 22 साल 3/2–संजय उम्र लगभग 19 साल पुत्रगण रामतीरथ 3/3–छोटे उम्र लगभग 8 साल नाबालिग बबलायत माता हकीकी 3/4–कुशलावती उम्र लगभग 38 साल पुत्री रामतीरथ 3/5–विपता उम्र लगभग 47 साल पत्नी राम तीरथ 4/1–मंगरू उम्र लगभग 50 साल पुत्र गनई 4/2–प्रभावती उम्र लगभग 48 साल 4/3–सोना उम्र लगभग 38 साल 4/4–मल्लहा उम्र लगभग 40 साल 4/5–मिसलावती उम्र लगभग 70 पुत्रीगण गनई साल पत्नी गनई 5/1–साहबदीन उम्र लगभग 46 साल 5/2–अशोक उम्र लगभग 40 साल 5/3–बालेदीन उम्र लगभग 48 साल पुत्रगण रामानंद 5/4–कमला देवी उम्र लगभग 55 साल पुत्री रामानंद 6/1–हनुमान उम्र लगभग 34 साल 6/2–रिंकू उम्र लगभग 30 साल 6/3–चिंटू उम्र लगभग 27 साल पुत्रगण रामकुमार 6/4–माधुरी उम्र लगभग 34 साल 6/5–चंदा उम्र लगभग 30 साल पुत्रियां रामकुमार 6/6–बुद्धूलाल उम्र लगभग 42 साल पुत्र बाबूराम 10/1–रामशिरोमणि उम्र लगभग 42 साल 10/2–कृष्ण गोपाल उम्र लगभग 42 साल पुत्रगण राघवदास 13/1 जगलाल उम्र लगभग 50 साल 13/2–पारसनाथ उम्र लगभग 42 साल 13/3–पंकज उम्र लगभग 37 साल पुत्रगण बंधू 14/1–विंदेसरी उम्र लगभग 42 साल 14/2–देवी प्रसाद उम्र लगभग 36 साल पुत्रगण राम मिलन 14/3–सुरेसरी उम्र लगभग 40 साल पुत्री राम मिलन 15/1–वाजिद उम्र लगभग 40 साल पुत्र बुद्धन 15/2–हरदेई उम्र लगभग 50 साल 15/3–लूलू उम्र लगभग 52 साल पुत्रियां बुद्धन साकिनान मौजा–परसुरामपुर, तप्पा–बनगवां, परगना अमोढ़ तहसील–हरैया, जिला–बस्ती

तारीख पेशी 09–10–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 09 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 16 माह 09 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com